नई दिल्ली ■ बुधवार 19 नवंबर 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 231 ■ पृष्ठ 08

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून, लखनऊ, अलीगढ़, मथुरा, हिसार, कैथल एवं करनाल से प्रकाशित

04 भारत के सामने इस्लामिक आतंकवाद की... | 07 बॉडीबिल्डर वंदना ने इंडोनेशिया में बढ़ाया तिरंगे का मान... | बॉक्स ऑफिस पर चमकी'दे दे प्यार दे-2' 08

मारा गया खूंखार नक्सली हिडमा

एक करोड़ का था इनामी, मुठभेड़ में मोस्ट वांटेड व उसकी पत्नी समेत छह माओवादी ढेर

शाह की निर्धारित समयसीमा से 12 दिन पहले ही मारा गया खूंखार नक्सली हिडमा

नयी दिल्ली। खूंखार माओवादी कमांडर माडवी हिडमा को सुरक्षा बलों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा इस वांछित नक्सली को खत्म करने के लिए तय की गई 30 नवंबर की समय सीमा से 12 दिन पहले ही मार गिराया। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सुरक्षा बलों ने आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना की सीमा पर स्थित घने पुल्लागंडी के जंगलों में 44 वर्षीय नक्सली नेता को मार गिराया। गृह मंत्री के आदेश से अवगत एक सूत्र ने बताया, ''केंद्रीय गृह मंत्री ने देश से माओवाद की समस्या के उन्मूलन के लिए 31 मार्च 2026 की समयसीमा तय की है। एक सुरक्षा समीक्षा बैठक में शाह ने नक्सल विरोधी अभियानों में लगे शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों को 30 नवंबर से पहले हिडमा को खत्म करने को कहा था और इस समयसीमा से 12 दिन पहले ही उसे मार गिराया गया।

आंध्र प्रदेशः सुरक्षाबलों को एक और बड़ी सफलता, 31 माओवादी गिरफ्तार

आंध्र प्रदेश में माओवादियों पर शिंकजा कसने के दौरान सुरक्षाबलों को मंगलवार को एक और बड़ी सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने सुबह एक मुठभेड़ में छह माओवादियों को ढेर किया था। इसके कुछ देर बाद ही सुरक्षाबलों ने राज्य में कई स्थानों पर छापा मार कर 31 माओवादियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी से पूछताछ की जा रही है। आंध्र प्रदेश के एडीजी खुफिया महेश चंद्र लड्ढा ने अल्लूरी सीतारामाराजू जिले के एसपी अमित बरदार के साथ पत्रकारों को मुठभेड़ और गिरफ्तारी का पूरा ब्योरा दिया।

लड्ढा ने बताया कि मंगलवार सुबह 6.30 से 7.00 बजे के बीच अल्लूरी सीतारामाराजू जिले के मारेदुमिल्ली वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच गोलीबारी हुई है। इस मुठभेड़ में छह माओवादी मारे गए हैं। लड्ढा ने बताया कि पिछले दो दिन से खुफिया जानकारी के आधार पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। तलाशी अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने बताया कि माओवादियों के पास से विभिन्न प्रकार के हथियार जब्त किए गए हैं। एडीजी महेश चंद्र लड्ढा ने

बताया कि पुलिस ने कृष्णा जिले के विजयवाड़ा और काकीनाडा में छापा मारकर 31 माओवादियों को गिरफ्तार किया है। इनमें विजयवाड़ा के निकट पेनामलुरु ऑटोनगर में स्थित एक मकान में शरण लिए 27 माओवादी भी शामिल हैं। इनमें 21 महिला और छह पुरुष शामिल हैं। यह सभी छत्तीसगढ़ के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 9 माओवादी केंद्रीय समिति के सदस्य देवजी के सुरक्षा में जुड़े बॉडी गार्ड हैं और आठ दंडकारण्य वन क्षेत्र के सदस्य हैं। इसके अलावा काकीनाडा से चार माओवादी गिरफ्तार किए गए हैं।

राजमुंद्री /मारेडुमिली। आंध्र प्रदेश के राजमुंद्री के निकट अल्लूरी सीताराम राजू जिले के मारेडुमिली वन क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने एक मुठभेड़ में छह माओवादी मार गिराए हैं।

इनमें मोस्ट वांटेड माओवादी नेता और केंद्रीय समिति के सदस्य माडवी हिडमा और उसकी पत्नी राजक्का भी शामिल हैं। हिडमा पर एक करोड़ और उसकी पत्नी पर पचास लाख रुपये का इनाम था। आंध्र प्रदेश के पुलिस महानिदेशक हरीश कुमार गुप्ता ने बताया कि आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा के सीमावर्ती इलाकों में माओवादियों की गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षाबल ने मंगलवार सुबह छह बजे से इलाके में तलाशी अभियान चलाया था। इसके चलते उत्तर आंध्र में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया।

उन्होंने बताया कि मारेडुमिली वन क्षेत्र में माओवादियों ने सुरक्षाबल को देखकर फायरिंग कर दी। इसके जवाब में सुरक्षाबलों ने जवाबी फायरिंग की। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने छह माओवादियों को ढेर कर दिया। मारे गए लोगों की पहचान मोस्ट वांटेड माओवादी नेता और केंद्रीय समिति के सदस्य माडवी हिडमा, उसकी पत्नी राजक्का के अलावा उसके साथी मल्ला, देवे, चेल्लूरी नारायण उर्फ सुरेश और टेक शंकर के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हिडमा पर एक करोड़ और उसकी पत्नी राजक्का पर पचास लाख रुपये का इनाम था।

राजक्का वर्ष 2010 में सुकमा में 25 सीआरपीएफ जवान के बलिदान होने वाली मुठभेड़ में भी शामिल थी। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के पुरवती गांव में जन्मे माडवी हिडमा बस्तर क्षेत्र में कम उम्र में ही माओवादी केंद्रीय समिति के सदस्य बन गया था। उसे गुरिल्ला हमलों के रणनीतिकार के रूप में जाना जाता था। वह पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी के कमांडर और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सदस्य भी रहा है। हिडमा 26 हमलों के मामले में मुख्य आरोपित था। आरोप है कि हिडमा ने सुरक्षा बलों पर हुए कई हमलों का नेतृत्व किया था। वह हिंदी, गोंडी, तेलुगु, कोया और बंगाली भाषाओं में पारंगत था। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 में दंडकारण्यम में हुई मुठभेड़ में हिडमा के मारे जाने की खबर उड़ी थी। वह माओवादियों की त्रि-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के बीच रहता था।

26 बड़े घातक हमलों का जिम्मेदार था हिडमा

हिडमा देश में हुए कम से कम 26 बड़े और घातक हमलों के लिए जिम्मेदार माना जाता था. 2013 के दरभा घाटी नरसंहार और 2017 के सुकमा हमले सहित कई हमलों में उसकी केंद्रीय भूमिका रही थी. वह लंबे समय से सुरक्षा बलों की निगरानी में था।

मतदाता सूची की पवित्रता की रक्षा के लिए कांग्रेस पूर्णतः प्रतिबद्धः खरगे

- निर्वाचन आयोग साबित करे कि वह भाजपा की छाया में काम नहीं कर रहाः कांग्रेस अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विषय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की और कहा कि निर्वाचन आयोग को यह साबित करना होगा कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की छाया में काम नहीं कर रहा है। उन्होंने यह दावा भी किया कि भाजपा एसआईआर का इस्तेमाल हथियार के रूप में करने की कोशिश कर रही है और यदि आयोग इसकी उपेक्षा करता है तो उसकी भी संलिप्तता मानी जाएगी।

खरगे ने उन 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रभारियों, राज्य इकाई प्रमुखों, कांग्रेस विधायक दल के नेताओं और सचिवों के साथ समीक्षा बैठक की, जहां मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद जारी है। पार्टी मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में हुई इस बैठक में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी मौजूद थे। बैठक में 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रभारियों, प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रमुखों के साथ साथ कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता तथा सचिव भी शामिल हुए। यह बैठक ऐसे समय पर हुई जब कांग्रेस को हालिया बिहार विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा है और उसने कथित वोट चोरी के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है। बैठक के बाद खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हमने उन राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के एआईसीसी महासचिवों, एआईसीसी प्रभारियों, पीसीसी, सीएलपी और एआईसीसी सचिवों के साथ एक व्यापक रणनीतिक समीक्षा की, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया जारी है।'' उनका कहना है कि कांग्रेस पार्टी मतदाता सूची की शुचिता की रक्षा के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, ''ऐसे समय में जब लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास पहले से ही कम हो रहा है, एसआईआर प्रक्रिया के दौरान निर्वाचन आयोग का आचरण बेहद निराशाजनक रहा है। आयोग को साबित करना होगा कि वह भाजपा की छाया में काम नहीं कर रहा है और उसे अपनी संवैधानिक शपथ और भारत के लोगों के प्रति निष्ठा याद है, किसी सत्तारूढ़ दल के प्रति नहीं।'' खरगे ने कहा, ''हमारा दृढ़ विश्वास है कि भाजपा वोट चोरी के लिए एसआईआर प्रक्रिया को हथियार बनाने का प्रयास कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

'पीएम किसान सम्मान निधि' योजना की 21वीं किस्त आज जारी करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को 'पीएम किसान सम्मान निधि' योजना की 21वीं किस्त जारी करेंगे। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेंगे जबकि इसी तरह के कार्यक्रम सभी जिलों में होंगे। बयान में बताया गया कि योजना के तहत राज्य के 66.62 लाख किसानों को 1332.40 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की जाएगी। बयान के मुताबिक, प्रति किसान दो हजार रुपये की राशि किसानों के बैंक खातों में भेजी जाएगी। बयान में बताया गया कि इस योजना के तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की राशि तीन समान किश्तों में प्रदान की जाती है और अब तक योजना में 20 किश्तों के माध्यम से 3.91 लाख करोड़ की राशि भेजी जा चुकी है। राजस्थान में किसानों को अतिरिक्त राहत प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना लागू है, जिसके अंतर्गत 'पीएम किसान सम्मान निधि योजना' के सभी पात्र किसानों को प्रतिवर्ष तीन हजार रुपये की अतिरिक्त राशि दी जा रही है।

क्यूएस सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग में IIT दिल्ली भारत में शीर्ष स्थान पर

नई दिल्ली। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी सस्टेनेबिलिटी रैंकिंग मंगलवार को जारी की गई जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली को भारत का सर्वश्रेष्ठ संस्थान माना गया है और इसके बाद आईआईटी बंबई और आईआईटी खड़गपुर को जगह दी गई है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी ने 2023 में रैंकिंग की शुरुआत होने के बाद पहली बार शीर्ष स्थान हासिल किया है। टोरंटो विश्वविद्यालय को 2024 और 2025 की विश्व रैंकिंग में सर्वश्रेष्ठ चुना गया था जो इस साल दूसरे स्थान पर फिसल गया है। तीसरा स्थान ब्रिटेन के यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन को मिला जो पिछले साल पांचवे स्थान पर था। इस वर्ष 26 नई प्रविष्टियों के साथ, भारत उन चार उच्च शिक्षा प्रणालियों में से एक है, जिनके 100 से अधिक विश्वविद्यालय इस रैंकिंग में शामिल हैं। लंदन में कार्यरत क्यूएस ने एक बयान में कहा, ''भारत के 103 विश्वविद्यालयों में से 32 ने इस साल अपनी रैंकिंग में सुधार किया है, 15 ने पिछले साल वाली ही रैंकिंग बरकरार रखी है और 30 की रैंकिंग में गिरावट आई है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली एक बार फिर भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला संस्थान है, जो इस साल 205वें स्थान पर है।

नीतीश कुमार ने लिया शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का जायजा

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने मंगलवार को बिहार में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का जायजा लिया। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 20 नवंबर को यह समारोह आयोजित होना है। कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत सहित अन्य अधिकारियों के साथ स्थल निरीक्षण पर पहुंचे। नीतीश कुमार दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

लाल किला विस्फोटः श्रीनगर से गिरफ्तार जसीर को 10 दिन की एनआईए हिरासत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने लाल किला कार बम विस्फोट के सिलसिले में आत्मघाती हमलावर उमर उन नबी के सक्रिय सह-साजिशकर्ता जसीर बिलाल को मंगलवार को 10 दिनों के लिए राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना ने आरोपी से हिरासत में पूछताछ किये जाने संबंधी एनआईए का अनुरोध स्वीकार कर लिया। मीडियाकर्मियों को अदालत परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई, जिसके कारण कार्यवाही लगभग गोपनीय तरीके से (बंद कमरे में) हुई। अदालत परिसर में पुलिस और त्वरित कार्य बल (आरएएफ) की भारी तैनाती की गई थी। दंगा-रोधी उपकरणों से लैस कई पुलिसकर्मी भी परिसर में मुस्तैद थे।

आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अनंतनाग के काजीगुंड निवासी वानी को सोमवार को श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया। वानी पर आरोप है कि उसने ड्रोन में बदलाव करके और कार बम विस्फोट से पहले रॉकेट बनाने की कोशिश करके आतंकवादी हमलों के लिए तकनीकी मदद प्रदान की थी। एनआईए ने सोमवार को एक बयान में वानी को 'आत्मघाती हमले' का ''सक्रिय सह-साजिशकर्ता'' बताया, जिसने आतंकी हमलों की साजिश रचने के लिए आतंकवादी उमर उन नबी के साथ मिलकर काम किया। अदालत ने सोमवार को मामले के मुख्य आरोपी आमिर राशिद अली को 10 दिनों के लिए एनआईए की हिरासत में भेज दिया।

लाल किला विस्फोटः हमलावर के फोन में आत्मघाती हमले का महिमामंडन करने वाला वीडियो मिला

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लाल किले पर आत्मघाती हमला करने वाले डॉ. उमर-उन-नबी का मोबाइल फोन बरामद किया है, और उससे प्राप्त आंकड़ों से यह चौंकाने वाला सबूत मिला है कि उसने आत्मघाती हमले को 'शहादत अभियान' बताते हुए एक वीडियो तैयार किया था। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि उमर के भाई जहूर इलाही को हिरासत में लेने और उससे पूछताछ के बाद महत्वपूर्ण साक्ष्य सामने आए। उमर 10 नवंबर को लाल किले के बाहर वह कार चला रहा था जिसमें विस्फोट के बाद 15 लोग मारे गए थे। इलाही को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (श्रीनगर) जी.वी. संदीप चक्रवर्ती द्वारा गठित एक विशेष टीम ने गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी तब हुई जब पूरे 'सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल' की साजिश का पर्दाफाश होना शुरू हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि शुरुआत में अनभिज्ञता जताने वाला इलाही अंततः लगातार पूछताछ में टूट गया और उसने पूछताछकर्ताओं को बताया कि उमर 26 से 29 अक्टूबर के बीच कश्मीर घाटी में था। इलाही के मुताबिक, उमर ने उसे मोबाइल फोन इस स्पष्ट निर्देश के साथ दिया था कि अगर उसके बारे में कोई खबर सामने आए तो इसे "पानी में फेंक देना"। इसके बाद इलाही पुलिस टीम को उस जगह ले गया जहां उसने फोन को फेंका था।

अमेरिका से भारत लाया जा रहा लॉरेंस का भाई अनमोल बिश्नोई

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में है आरोपी

नई दिल्ली। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से भारत लाया जा रहा है। अनमोल बिश्नोई कई गंभीर अपराधों में आरोपी है। उसपर बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में शामिल होने का आरोप है। इसके साथ ही अभिनेता सलमान खान के घर पर हुए हमले की साजिश रचने का भी आरोप अनमोल बिश्नोई पर लगा है। अनमोल बिश्नोई को भारत लाना जांच एजेंसियों के लिए एक बड़ी सफलता है। उसे अमेरिका से भारत लाया जा रहा है। इस गिरफ्तारी से देश में हुए कई हाई-प्रोफाइल अपराधों की जांच को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

अनमोल बिश्नोई पर मुंबई के जाने-माने राजनेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में भी आरोप लगा है। सुरक्षा एजेंसियां उसे भारत लाकर इस मामले में और अधिक जानकारी हासिल करने की कोशिश करेंगी। बड़ी कामयाबी ये है कि उसको भारत लाया जा रहा है। एक से दो दिन के अंदर अनमोल भारत की धरती पर होगी और उसे गिरफ्तार किया जाएगा। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के बाद वह फरार हो गया था। उसके बाद उसकी लोकेशन अमेरिका में मिली थी। वहां पर बैठकर ये भारत में एक्सटोर्शन सहित कई रैकेट चला रहा था। भारत के अंदर कई राज्यों में अनमोल बिश्नोई के खिलाफ केस चल रहा है।

दिल्ली: ग्रैप-4 लागू होने की खबरें झूठी और भ्रामक, सीएक्यूएम ने किया खंडन

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को ग्रैप को लेकर सोशल मीडिया और कुछ समाचार चैनलों पर फैलाई जा रही भ्रामक सूचनाओं पर स्पष्टीकरण जारी किया। आयोग ने साफ शब्दों में कहा है कि ग्रैप के चौथे चरण लागू होने संबंधी खबरें पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं। आयोग ने बताया कि फिलहाल पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में ग्रैप का तीसरा चरण लागू है और इसमें किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। इसके बावजूद, कुछ डिजिटल प्लेटफॉर्म और टीवी चैनल ग्रैप के चौथे चरण के लागू होने का दावा कर रहे हैं, जिससे आम जनता में भ्रम की स्थिति बन गई है। सीएक्यूएम ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए नागरिकों और संबंधित विभागों को केवल आयोग द्वारा जारी आधिकारिक अपडेट, नोटिफिकेशन और प्रेस रिलीज पर भरोसा करना चाहिए। गलत और अपुष्ट जानकारी साझा करना न केवल जनता को भ्रमित करता है, बल्कि प्रदूषण प्रबंधन से जुड़ी तैयारियों और निर्देशों को लेकर असमंजस भी पैदा करता है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि ग्रैप के किसी अगले चरण के लागू होने या मौजूदा चरण में बदलाव संबंधी निर्णय की आधिकारिक घोषणा केवल सीएक्यूएम द्वारा ही की जाएगी। साथ ही, लोगों से अपील की गई है कि वे असत्यापित खबरों पर ध्यान न दें। बता दें कि 11 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर ग्रैप के तीसरे

चरण के प्रतिबंध लागू किए गए थे। इस स्तर को तब लागू किया जाता है जब वायु गुणवत्ता 'सीवियर' श्रेणी में पहुंच जाती है, यानी हवा में प्रदूषक तत्वों का स्तर स्वास्थ्य के लिए बेहद खतरनाक हो जाता है। ग्रैप का तीसरा चरण लागू होने के साथ ही नोएडा प्राधिकरण ने शहर में कई कड़ी पाबंदियों की घोषणा की है। आदेश के अनुसार, नोएडा क्षेत्र में मेट्रो, अस्पताल और फ्लाईओवर से जुड़ी परियोजनाओं को छोड़कर बाकी सभी निर्माण कार्य तुरंत बंद कर दिए जाएंगे। धूल और प्रदूषक कणों की बड़ी मात्रा निर्माण गतिविधियों से फैलती है, इसलिए यह प्रतिबंध वायु गुणवत्ता सुधारने में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। साथ ही, नोएडा में चलने वाले बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल के चार पहिया वाहन प्रतिबंधित कर दिए गए हैं। इसके अलावा, शहर में कंक्रीट मिश्रण (आरएमसी) प्लांट और स्टोन क्रशर भी अगले आदेश तक बंद रहेंगे, क्योंकि ये धूल और कणीय पदार्थ (पीएम) को हवा में बड़े पैमाने पर फैलाते हैं।

एक बोतल खून देने के नाम पर जिनका खून सूख जाता है, वो किडनी देने पर उपदेश देते हैं: रोहिणी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को किडनी दान देकर जीवन बचाने वाली उनकी बेटी रोहिणी आचार्य ने एक बार फिर अपने आलोचकों पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में उन्होंने उन सभी लोगों को आड़े हाथों लिया जो उनकी किडनी दान करने को लेकर अनावश्यक टिप्पणी कर रहे हैं और इसे गलत ठहराने की कोशिश कर रहे हैं।

रोहिणी ने दो टूक कहा कि यदि कोई सच में लालू प्रसाद यादव के लिए कुछ करना चाहता है, तो उसे "झूठी हमदर्दी" जताने के बजाय अपनी ऊर्जा उन गरीब मरीजों की मदद में लगानी चाहिए, जो अस्पतालों में किडनी प्रत्यारोपण की आस लगाए जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि लाखों-करोड़ों जरूरतमंदों तक मदद पहुंचाने का सबसे बड़ा रास्ता यही है कि लोग आगे आएं और मानवता के नाम पर अंगदान को प्रोत्साहित करें। अपनी किडनी देने के फैसले पर सवाल उठाने वालों को जवाब देते हुए रोहिणी ने खुली चुनौती भी दी।

उन्होंने कहा कि जो लोग एक शादीशुदा बेटी द्वारा पिता को किडनी देने को 'गलत' ठहराते हैं, उनमें यदि हिम्मत है तो वे खुले मंच पर बहस के लिए सामने आएं।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "जिन्हें एक बोतल खून देने के नाम पर पसीना छूट जाता है, वे किडनी दान जैसे बड़े त्याग पर भाषण देते हैं।" रोहिणी ने यह भी कहा कि किडनी दान को लेकर दूसरों को उपदेश देने से पहले उन लोगों को आगे बढ़कर खुद मिसाल पेश करनी चाहिए, खासकर वे आलोचक जो सोशल मीडिया पर अनर्गल टिप्पणी करते हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि यदि किसी में मानवता का जरा भी भाव है, तो वह जरूरतमंद मरीजों के लिए अंगदान अभियान की शुरुआत कर सकता है।

अगर मेरे माता-पिता का मानसिक उत्पीड़न हुआ है तो केंद्र व राज्य सरकार जांच कराएं : तेज प्रताप

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े पुत्र और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव मंगलवार को अपनी बहन रोहिणी आचार्य के पक्ष में खुलकर सामने आये और कहा कि यदि उनके माता-पिता का किसी भी तरह का मानसिक उत्पीड़न हुआ है, तो केंद्र सरकार और बिहार सरकार इसकी तत्काल निष्पक्ष जांच कराएं। महुआ सीट से चुनाव हार चुके यादव ने अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट कर रोहिणी आचार्य के हालिया आरोपों का समर्थन किया, जो उन्होंने अपने भाई तेजस्वी यादव और उनके सहयोगी संजय यादव पर लगाए थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बिहार सरकार से आग्रह किया कि लालू प्रसाद और राबड़ी देवी पर किसी भी तरह का दबाव डाला गया हो तो उसकी जांच होनी चाहिए। तेज प्रताप यादव ने लिखा, "कहा जा रहा है कि कुछ जयचंद, मेरे माता-पिता पर मानसिक और शारीरिक दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यदि इसमें थोड़ी भी सच्चाई है तो यह सिर्फ हमारे परिवार पर हमला नहीं है, बल्कि राजद की आत्मा पर सीधा प्रहार है। मैं प्रधानमंत्री, अमित शाह जी और बिहार सरकार से विनम्र अनुरोध करता हूं कि इस मामले की निष्पक्ष, सख्त और त्वरित जांच कराई जाए।

संक्षिप्त खबरें

थाना फेस-3 और जारचा में नए थाना प्रभारी निरीक्षकों की तैनाती

नोएडा। जनपद गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट के दो थानों में आज नये थाना प्रभारी निरीक्षकों की तैनाती की गई है। यह दोनों थाने काफी समय से प्रभारी के बगैर संचालित हो रहे थे। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने कानून व्यवस्था को चाक- चौबंद करने की नीयत से थाना फेस-3 और जारचा नए थाना प्रभारी की तैनाती की है। जानकारी के अनुसार थाना सेक्टर-20 में तैनात निरीक्षक कैलाश चंद को थाना जारचा का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। वहीं थाना सेक्टर-126 में तैनात निरीक्षक पुनीत कुमार को थाना फेस- 3 का नया प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। बता दें कि पूर्व में थाना फेस -3 और थाना जारचा के प्रभारी को पुलिस आयुक्त ने कार्य में लापरवाही पाए जाने पर हटा दिया था। दोनों थाने काफी दिनों से खाली चल रहे थे। थानाध्यक्षों की तैनाती के बाद चर्चा है कि जल्द ही कुछ बड़े स्तर के अधिकारियों का तबादला भी इधर से उधर होगा।

पर्यावरण संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

ग्रेटर नोएडा। सादोपुर गांव के बाल अध्ययन पब्लिक स्कूल में मंगलवार को पर्यावरण संरक्षण पर चित्रकला प्रतियोगिता हुई। इसके जरिए छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। यह प्रतियोगिता प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर संकल्प संस्था ने कराई। इसमें अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर संस्था के संस्थापक डॉ भूपेन्द्र नागर और सह संस्थापक अमित नागर, सचिव विजयपाल शर्मा, विद्यालय के प्रबंधक एड नवीन बैसोया, प्रिंसिपल नीलम बैसोया उपस्थित रहे।

छात्रों को विशेष कार्यशाला में सिखाईं निर्देशन की बारीकियां

नोएडा। सेक्टर-39 स्थित रयान इंटरनेशनल स्कूल में मंगलवार को एक समृद्ध और युवा निर्देशन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों में रचनात्मकता को बढ़ावा देना और फिल्म निर्माण कौशल से परिचित कराना था। कार्यक्रम का नेतृत्व प्रसिद्ध प्रशिक्षक शिवानी शर्मा और उनकी टीम ने किया। कार्यशाला के दौरान छात्रों को निर्देशन, पटकथा लेखन, कैमरा संचालन, दृश्य संप्रेषण, टीमवर्क और प्रोडक्शन डिजाइन के मूल सिद्धांतों से अवगत कराया गया।

भंगेल एलिवेटेड रोड ट्रायल के लिए खोला गया, लोगों ने ली राहत की सांस

गौतमबुद्ध नगर। नोएडा विकास प्राधिकरण ने अगाहपुर गांव से भंगेल गांव तक बने करीब 5.5 किलोमीटर एलिवेटेड रोड को आज से एक सप्ताह के लिए ट्रायल के लिए खोल दिया है। करोड़ों की लागत से करीब 3 माह से तैयार उक्त रोड को प्राधिकरण मुख्यमंत्री से उद्घाटन करवाने के उद्देश्य से खोल नहीं रहा था। भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के नेताओं ने आह्वान किया था कि एलिवेटेड रोड को खोला जाएगा। किसान नेताओं के ऐलान के बाद पुलिस, जिला प्रशासन और प्राधिकरण के हाथ पांव फूल गए।

सुबह से ही किसान नेताओं के घर पर पुलिस ने घेरा डाल दिया तथा उन्हें घर पर नजर बंद कर दिया गया। एक सप्ताह के लिए ट्रायल के लिए रोड को खोलने के बाद किसान नेताओं ने भी अपने कार्यक्रम को वापस ले लिया है। पुलिस उपायुक्त जोन प्रथम यमुना प्रसाद ने बताया कि किसान नेताओं ने आज एलिवेटेड रोड को जबरन खोलने का ऐलान किया था। कानून व्यवस्था के दृष्टिगत एलिवेटेड रोड पर पुलिस बल तैनात किया गया है। कुछ किसान नेताओं की नगर मजिस्ट्रेट से वार्ता हुई। इसी बीच नोएडा विकास प्राधिकरण ने एलिवेटेड रोड को एक सप्ताह के लिए ट्रायल के लिए खोल दिया। प्राधिकरण की कार्रवाई से किसान नेता भी संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी कई व्यापारी और सामाजिक संगठन के लोगों ने एलिवेटेड रोड खोलने की मांग की थी। एक सप्ताह के लिए एलिवेटेड रोड को ट्रायल पर खोलने का ऐलान के बाद किसान नेता वापस चले गए। उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था कायम है तथा मौके पर स्थिति सामान्य है। भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के राष्ट्रीय महासचिव बीसी प्रधान ने बताया कि उनके संगठन ने आज सुबह एलिवेटेड रोड को स्वयं खोलने का ऐलान किया था। इस ऐलान के बाद उनके और उनके नेताओं के घर पर सुबह से ही पुलिस ने घेरा डाल दिया है तथा उन्हें नजर बंद किया गया है। उनका दावा है कि किसान नेताओं के दबाव के चलते नोएडा विकास प्राधिकरण ने एलिवेटेड रोड को एक सप्ताह के लिए खोल दिया है। वहीं नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि शासन स्तर पर बात करने के बाद ट्रायल के उद्देश्य से एक सप्ताह के लिए एलिवेटेड रोड को खोला गया है। उनके अनुसार जल्द ही इसका विधिवत उद्घाटन करवाया जाएगा।

भंगेल एलिवेटेड रोड करीब 3 महीने से बनकर तैयार है। इसका शुभारंभ नहीं होने से लोगों को 10-12 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर काटकर आना-जाना पड़ रहा है। दादरी-सूरजपुर-छलेरा यानी डीएससी रोड पर एलिवेटेड रोड शुरू होने से लोगों का नोएडा से ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर की ओर सफर आसान हो जाएगा। नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने 10 दिन पहले दावा किया था कि 12 या 13 नवंबर को मुख्यमंत्री लखनऊ से बटन दबाकर इसका शुभारंभ कर सकते हैं। अगर ऐसा नहीं हुआ तो एक सप्ताह के अंदर इसको ट्रायल के तौर पर खोल दिया जाएगा। अब यह समय सीमा समाप्त हो चुकी है, लेकिन एलिवेटेड रोड की शुरुआत नहीं पाई थी। भंगेल एलिवेटेड रोड सेक्टर-41 आगाहपुर से फेज टू के एनएसईजेड के पास नाले के पास तक बना है।

नाले पर पुलिया की चौड़ाई कम है। ऐसे में यहां पर जाम लग सकता है। प्राधिकरण ने निर्णय लिया है कि फेज-टू की तरफ से एलिवेटेड रोड पर चढ़ते-उतरते समय पुलिया चौड़ी की जाएगी। एलिवेटेड रोड का काम जून 2020 में शुरू हुआ था। यह दिसंबर 2022 में बनकर तैयार हो जाना चाहिए था। इसके निर्माण का जिम्मा सेतु निगम के पास है। लोगों का कहना है कि पहले इसको बनाने में देरी हुई। अब जब बनकर तैयार हो चुका है, तो अब खोलने में देरी की जा रही है। प्राधिकरण की इस लापरवाही से लाखों लोगों को परेशानियां उठानी पड़ रही थीं।

दहेज और घरेलू उत्पीड़न के मामले में दो महिलाओं ने दर्ज कराए मुकदमे

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में रहने वाली एक विवाहिता ने पति समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ थाना दादरी में नामजद मुकदमा दर्ज कराया है। महिला का आरोप है कि दहेज में अतिरिक्त 5 लाख की नकदी और कार की मांग को लेकर उसके साथ मारपीट व उत्पीड़न किया जा रहा है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्जकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। इसके अलावा एक महिला ने पति के खिलाफ थाना फेस-वन में मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना दादरी के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि कोमल शर्मा नामक एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी शादी 24 नवंबर वर्ष 2023 को जितेंद्र शर्मा पुत्र त्रिलोक चंद शर्मा निवासी सिकंदराबाद बुलंदशहर के साथ हुई थी। पीड़िता के अनुसार उसके मायके पक्ष के लोगों ने शादी में उसकी हैसियत से ज्यादा खर्च किया। पीड़िता का आरोप है कि शादी के समय से ही उसके ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। ये लोग दहेज में एक ब्रेजा कार और पांच लाख रुपए की मांग कर रहे हैं।

महिला के अनुसार दहेज की मांग पूरी ना होने पर उसके पति और ससुराल पक्ष लोग उसके साथ लगातार मारपीट कर रहे हैं, और उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि इस मामले में महिला ने अपने पति जितेंद्र शर्मा, ससुर त्रिलोक शर्मा, सास मीना देवी तथा नितिन, पवन, सचिन, आरती, सुखी, निशा और परी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला ने पति के खिलाफ मारपीट का दर्ज कराया मुकदमा

थाना फेस- वन में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ मारपीट करने और उत्पीड़न करने सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया है। थाना फेस- वन के प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार मान ने बताया कि सृष्टि शर्मा निझावन निवासी सेक्टर-15 थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसके पति गौरव निझावन उनके साथ मारपीट करते हैं। महिला का कहना है कि उसका पति से विवाद चल रहा है, तथा यह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। पीड़िता के अनुसार उसके पति उसके घर में घुस आए तथा उसने घर का सामान फेंका। नौकरानी के साथ बदतमीजी की तथा उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते हुए उसका उत्पीड़न कर रहे हैं। महिला का यह भी आरोप है उसके पति नाबालिग बेटी और उसे फंसाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। थाना फेस- वन के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनसीआर में नहीं मिल रही जहरीली हवा से निजात

ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में AQI 400 के पार

नोएडा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण लगातार खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर के अधिकांश शहरों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 के पार पहुंच गया है, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। इस श्रेणी की हवा न केवल अस्थमा, हृदय और फेफड़ों की बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए बेहद नुकसानदेह है, बल्कि स्वस्थ लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालती है। गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

ग्रेटर नोएडा में एयर क्वालिटी इंडेक्स 430 के रिकॉर्ड स्तर पर दर्ज किया गया, जिससे यह एनसीआर के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हो गया है। वहीं गाजियाबाद में कई मॉनिटरिंग स्टेशनों पर एक्यूआई 404 से 438 के बीच रिकॉर्ड किया गया, जो इस सीजन का सबसे खराब स्तर माना जा रहा है। नोएडा और दिल्ली भी बेहतर स्थिति में नहीं हैं। नोएडा के सेक्टर-125, सेक्टर-1 और सेक्टर-116 जैसे क्षेत्रों में एक्यूआई 324 से 402 के बीच दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली के आनंद विहार, बवाना, चांदनी चौक और अलीपुर जैसे इलाकों में प्रदूषण 350 से 426 के बीच बना हुआ है, जो सांस लेने तक में मुश्किल पैदा कर रहा है। इसके विपरीत उम्मीद की जा रही थी कि मौसम में बदलाव प्रदूषण से कुछ राहत दिलाएगा, लेकिन भारतीय मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम में कोई बड़ा परिवर्तन नहीं होगा।

न ही हवा की गति बढ़ने के संकेत हैं, और न ही बारिश की संभावना दिखाई दे रही है। आने वाले हफ़्ते में अधिकतम तापमान लगभग 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 11 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है, जबकि अधिकतर दिनों में कोहरा रहने की संभावना जताई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि ठंडी और स्थिर हवाओं के कारण प्रदूषित कण वातावरण में नीचे ही बने रहते हैं और कोहरा उन्हें और अधिक घना बना देता है, जिससे एक्यूआई में और वृद्धि हो सकती है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने, मास्क का उपयोग करने, बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने और सुबह-शाम खुली हवा में टहलने से बचने की सलाह दी है। सरकारी एजेंसियों और स्थानीय प्रशासन पर भी प्रदूषण रोकथाम के लिए और कठोर कदम उठाने का दबाव बढ़ रहा है।

गणित और तकनीकी उत्सव में 17 स्कूल शामिल हुए

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर स्वर्ण नगरी स्कूल में क्वांटा शीर्षक से एक इंटर स्कूल गणित और तकनीकी उत्सव का आयोजन हुआ। इसमें एनसीआर के 17 स्कूल में सम्मलित हुए। प्रतियोगिता में जीडी गोयंका पब्लिक स्कूल ग्रेनो को प्रथम, दिल्ली पब्लिक स्कूल ग्रेनो को द्वितीय और दिल्ली पब्लिक स्कूल गौतमबुद्ध नगर को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। प्रधानाचार्या डॉ रेणू सहगल ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

धूम्रपान न करने वालों में भी सीपीओडी की समस्या

ग्रेटर नोएडा। यथार्थ अस्पताल में मंगलवार को क्रॉनिक ऑब्स्ट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ सरविंदर सिंह ने बताया कि गांव व देहात क्षेत्रों में लकड़ी, फसल का कचरा और गोबर जैसे बायोमास ईंधन से खाना पकाया जाता है, जिससे घरों में लगातार धुआं भरता है। शहरों में वाहनों का धुआं, उद्योगों से निकलने वाले कण, निर्माण कार्य, कूड़ा जलना और स्मॉग फेफड़ों पर सीधे असर डालते हैं। दोनों स्थितियों में सांस की नलियों में सूजन बढ़ती जाती है और समय के साथ फेफड़ों की क्षमता घटती रहती है। वहीं, डॉ विपुल मिश्रा ने बताया कि यह सीओपीडी का शुरुआती लक्षण चलने तक से सांस फूलना हो सकता है। पिछले तीन महीनों में ओपीडी में आए लगभग 65 से 70 प्रतिशत मरीजों में सांस फूलने व खांसी रहने या बलगम बनने जैसे लक्षण पाए गए हैं। चिंता की बात यह है कि 25 से 30 प्रतिशत मरीज ऐसे हैं, जिन्होंने कभी धूम्रपान नहीं किया। यह बीमारी धूम्रपान न करने वाले लोगों में भी तेजी से फैल रही है।

स्पेस एजुकेशन व रिसर्च में उत्कृष्ट योगदान पर एमिटी विश्वविद्यालय को मिला सम्मान

नोएडा। अंतरिक्ष शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए एमिटी विश्वविद्यालय को इंडियन स्पेस एसोसिएशन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल स्पेस कॉनक्लेव 2025 में ''एकेडमिक एक्सलेंस इन स्पेस एजुकेशन एंड रिसर्च'' अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह अवार्ड भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डा जितेंद्र सिंह द्वारा एमिटी विश्वविद्यालय के चांसलर और आरबीईएफ के एडिशनल प्रेसीडेंट डा. असीम चौहान को प्रदान किया गया। इस अवसर पर एमिटी साइंस टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन फांउडेशन के अध्यक्ष डा. डब्लू सेल्वामूर्ती भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एमिटी विश्वविद्यालय के चांसलर और आरबीईएफ के एडिशनल प्रेसीडेंट डा असीम चौहान ने कहा कि यह अत्यंत गर्व और सौभाग्य की बात है कि एमिटी विश्वविद्यालय को ''अंतरिक्ष शिक्षा और अनुसंधान में अकादमिक उत्कृष्टता'' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान हमें अंतरिक्ष विज्ञान और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगा और एमिटी की प्रतिभाओं को पोषित करने और भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप अनुसंधान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को मजबूती प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि यह अवार्ड हमारे अंतरिक्ष पेशेवरों की भावी पीढ़ी को आकार देने के नेतृत्व को भी रेखांकित करता है और अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अंत:विषय अनुसंधान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में हमारी भूमिका को सुदृढ़ करता है। कार्यक्रम के दौरान भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डा जितेंद्र सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है ऐसे में हमें ना केवल अनुसंधान को बढ़ावा देना है बल्कि अंतरिक्ष क्षेत्र में विश्व में प्रथम पायदान पर पहुंचने के लिए कार्य भी करना है। इस अवसर पर एमिटी के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार भारतीय रक्षा अंतरिक्ष संगोष्ठी 2025 की एक तकनीकी रिपोर्ट भी जारी की गई। दो दिवसीय चलने वाली इस कॉनक्लेव में एएसटीआईएफ के अध्यक्ष डॉ. डब्ल्यू. सेल्वामूर्ति और एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी की प्रोफेसर (डॉ.) शिवानी वर्मा, आईआईएससी-2025 के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न सत्रों में सम्मानित वक्ता/पैनलिस्ट के रूप में भाग लेंगे।

सीएम ने 40 ई-बस को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को आजादपुर में देश के सबसे आधुनिक बस टर्मिनलों में से एक को दिल्ली वासियों को समर्पित किया। इस नए अपग्रेडेड बस टर्मिनल का उद्घाटन करते हुए सीएम ने इसे सार्वजनिक परिवहन के क्षेत्र में क्रांतिकारी कदम बताया।

मुख्यमंत्री ने उद्घाटन कार्यक्रम की तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, "आजादपुर में आधुनिक सुविधाओं से युक्त अपग्रेडेड बस टर्मिनल दिल्ली वासियों की सेवा में समर्पित किया। यह नया टर्मिनल राजधानी के सार्वजनिक परिवहन को अधिक तेज, सुरक्षित और पैसेंजर फ्रेंडली बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" उन्होंने बताया कि इस अत्याधुनिक टर्मिनल से 21 प्रमुख रूटों पर 116 बसें प्रतिदिन चलेंगी। यात्रियों की सुविधा के लिए यहां बस पास सेक्शन, बेबी फीडिंग रूम, एसी प्रतीक्षालय, दिव्यांग-फ्रेंडली शौचालय, सुरक्षित कवर्ड वॉक-वे, सीसीटीवी निगरानी और चार्जिंग पॉइंट्स जैसी तमाम सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। सबसे खास बात यह है कि टर्मिनल को आजादपुर मेट्रो स्टेशन से फुट ओवर ब्रिज के जरिए सीधे जोड़ा गया है, जिससे मेट्रो-बस ट्रांसफर अब मात्र दो मिनट में हो जाएगा।

उद्घाटन कार्यक्रम में सीएम रेखा गुप्ता ने 40 नई इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। उन्होंने कहा, "हमारी सरकार डीटीसी बेड़े में लगातार ई-बसें जोड़ रही है। आज दिल्ली में 1,300 से ज्यादा इलेक्ट्रिक बसें चल रही हैं और अगले साल तक यह संख्या 2,000 पार कर जाएगी। हमारा लक्ष्य है कि 2026 तक दिल्ली का पूरा डीटीसी बेड़ा इलेक्ट्रिक हो जाए।" कार्यक्रम में परिवहन मंत्री डॉ. पंकज सिंह और स्थानीय विधायक राज कुमार भाटिया भी मौजूद रहे। डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि यह टर्मिनल 8,000 वर्ग मीटर में फैला है और एक साथ 500 यात्रियों की क्षमता रखता है। बारिश और धूप से बचाव के लिए पूरा टर्मिनल कवर्ड है। यात्रियों में इस नए टर्मिनल को लेकर खासा उत्साह है।

मुख्यमंत्री ने जिला समाज कल्याण कार्यालय के नए भवन का किया लोकार्पण

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को इन्द्रा नगर, आजादपुर मंडी स्थित जिला समाज कल्याण कार्यालय के नए भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह नया कार्यालय समाज कल्याण सेवाओं को और अधिक व्यवस्थित, पारदर्शी और सुलभ बनाने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह, विधायक राजकुमार भाटिया सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। रेखा गप्ता ने कहा कि इस कार्यालय से क्षेत्र की अनेक विधानसभाओं के नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। सरकार की प्राथमिकता है कि हर जरूरतमंद तक सभी आवश्यक सुविधाएं समयबद्ध और सरल तरीके से पहुंचें। इसी उद्देश्य से दिल्ली सरकार निरंतर कार्यरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादपुर में बना नया जिला समाज कल्याण कार्यालय क्षेत्र की जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी और आसान तरीके से उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस दौरान रविंद्र इंद्रराज ने कहा कि सरकार का दृढ़ संकल्प है कि हर जरूरतमंद तक आवश्यक सुविधाएं समयबद्ध, सरल और सम्मानजनक रूप से पहुंचें। नया भवन क्षेत्र के लोगों के सशक्तिकरण को नई शक्ति प्रदान करेगा और सामाजिक सेवाओं की गति में वृद्धि सुनिश्चित करेगा।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली : कर्ज़ में डूबे युवक ने खुद को आग लगाई, सुरक्षित

नई दिल्ली। पश्चिम दिल्ली के आनंद पर्वत इलाके में 29 वर्षीय युवक ने बढ़ते कर्ज और उधार देने वालों के दबाव के चलते अपने किराए के कमरे में खुद को आग लगा ली, हालांकि वह बच गया। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। पुलिस के अनुसार, सोमवार रात करीब 9.50 बजे सूचना मिली कि एक व्यक्ति जल गया है और उसे बीएलके अस्पताल लाया गया है। एक अधिकारी ने बताया, "घायल की पहचान विशाल सिंह के रूप में हुई। डॉक्टरों ने बताया कि उसने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली थी। उसकी हालत स्थिर है।" पुलिस टीम ने अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों की मौजूदगी में सिंह का बयान दर्ज किया। अधिकारी ने बताया, "सिंह ने कहा कि उसके व्यवसाय में तीन से चार लाख रुपये का नुकसान हुआ था और वह समय पर किराया नहीं दे पा रहा था। उसने दो लोगों से पैसा उधार लिया था और वे लगातार रुपये लौटाने का दबाव बना रहे थे।" तनाव में आकर उसने कमरे में खुद को आग लगा ली। उसकी पत्नी और पड़ोसियों ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने बताया कि आगे के उपचार के लिए सिंह को सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

चोरी किये गये मोबाइल फोन बरामद, मालिकों को लौटाए

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने खोए व चोरी किये गये 152 मोबाइल फोन बरामद किए और एक विशेष कार्यक्रम के दौरान उन्हें उनके असली मालिकों को सौंप दिया गया। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक बयान में बताया कि मोबाइल फोन में महत्वपूर्ण व्यक्तिगत जानकारी, वित्तीय विवरण व महत्वपूर्ण यादें होती हैं और इनके खो जाने से अक्सर काफी परेशानी होती है। पुलिस के मुताबिक, पिछले वर्षों में सीमित बरामदगी के कारण नागरिकों में यह धारणा बन गई थी कि खोए हुए फोन का पता लगाना पुलिस की प्राथमिकता नहीं है। बयान में बताया गया कि इस मंशा को दूर करने के लिए पुलिस ने 152 मोबाइल फोन का पता लगाकर उन्हें बरामद किया और उन्हें उनके असली मालिकों को लौटा दिया। अधिकारी ने बताया कि इस पहल का नेतृत्व एक विशेष महिला टीम द्वारा किया गया, जिसने तकनीकी उपकरणों व दूरसंचार विभाग के केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर पोर्टल का उपयोग कर फोन का पता लगाया।

दिल्ली सरकार ने खादी को बढ़ावा देने की योजना बनाई

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के हथकरघा पार्क के अन्वेषणात्मक दौरे से लेकर स्कूलों में खादी को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम तैयार करने तक, दिल्ली सरकार ने स्वदेशी कपड़े को बढ़ावा देने की योजना बनाई है। दिल्ली खादी ग्रामोद्योग बोर्ड (डीकेवीआईबी) की हाल ही में एक बैठक हुई, जिसमें खादी को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। एक अधिकारी ने बताया कि बैठक के दौरान, कारीगरों व बुनकरों के कल्याण को खादी और हथकरघा उत्पादों के प्रचार हेतु इनक्यूबेशन डिजाइन, प्रोटोटाइपिंग और निर्माण हेतु दिल्ली में एक 'खादी पार्क' स्थापित करने पर विचार-विमर्श हुआ। परिधान प्रशिक्षण एवं डिजाइन केंद्र के महानिदेशक विजय माथुर ने सुझाव दिया कि डीकेवीआईबी को मध्य प्रदेश के चंदेरी स्थित हथकरघा पार्क का दौरा करना चाहिए और पार्क के संचालन मॉडल और आकार का अध्ययन करना चाहिए। इसके बाद, दिल्ली में खादी पार्क स्थापित करने का निर्णय लिया जा सकता है। अधिकारी ने कहा, "बोर्ड ने चंदेरी स्थित हथकरघा पार्क का अन्वेषणात्मक दौरा करने का निर्णय लिया है और अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।" दस एकड़ में फैले इस पार्क का निर्माण 30.69 करोड़ रुपये की लागत से किया गया था और इसका उद्घाटन वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किया था। इसमें बुनकरों के लिए कई कार्यस्थल हैं। बोर्ड ने डीकेवीआईबी द्वारा पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, झारखंड और अरुणाचल प्रदेश के केवीआईबी के लिए अध्ययन-सह-प्रदर्शन दौरों के आयोजन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। अधिकारियों के अनुसार, डीकेवीआईबी अध्यक्ष ने यह भी सुझाव दिया कि स्कूलों में खादी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

हाई कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों की जांच से संबंधित दिल्ली पुलिस से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया है कि वो दिल्ली हिंसा की जांच के संबंध में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करें। जस्टिस विवेक चौधरी की अध्यक्षता वाली पीठ ने 21 नवंबर को सुनवाई करने का आदेश दिया। जमीयत उलेमा ए हिंद और दूसरे याचिकाकर्ताओं ने दायर याचिका में मांग की है कि दिल्ली में 2020 में हुई हिंसा की स्वतंत्र जांच की जाए। इसके साथ ही याचिका में यह भी मांग की गई है कि जांच करने वाली एसआईटी से दिल्ली पुलिस के सदस्यों को हटाया जाए। मंगलवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि यह याचिका पिछले 5 साल से लंबित है। हाई कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई कैसे कर सकता है।

कोर्ट ने याचिका कर्ताओं से कहा कि उन्हें मजिस्ट्रेट कोर्ट जाना चाहिए, जो जांच की मानिटरिंग कर सके। पहले की सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस ने दिल्ली दंगों की जांच और नेताओं के हेट स्पीच के खिलाफ उच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में कहा था कि वे सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, अनुराग ठाकुर, कपिल मिश्रा, परवेश वर्मा और दूसरे नेताओं के भाषणों की पड़ताल कर रही है कि कहीं उनका दिल्ली की हिंसा से तो संबंध नहीं है। पहले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंजाल्वेस ने कहा था कि इस मामले पर सुनवाई जरुरी है। कई नौजवानों को फंसाया जा रहा है। गोंजाल्वेस ने कहा था कि सुनवाई में जितनी देरी होगी पुलिस उतना ही प्रताड़ित करेगी। हम जामिया और उत्तर-पूर्वी दिल्ली हिंसा दोनों की जांच दिल्ली पुलिस से हटाकर दूसरी एजेंसी को देने की मांग कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान वकील तारा नरुला ने कहा था कि अंतिम चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है और ट्रायल शुरु होनेवाला है। हमें इस मामले पर दलीलें रखने की जरुरत है।

सुनवाई के दौरान जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से कहा गया था कि वीडियो फुटेज के संरक्षण के कोर्ट के पहले के आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। जमीयत उलेमा-ए-हिंद की ओर से कहा गया था कि कोर्ट ने पहले आदेश दिया था कि वीडियो फुटेज का संरक्षण किया जाए। लेकिन कोर्ट के इस आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। यह एक चिंता की बात है क्योंकि वीडियो फुटेज इन मामलों का अहम हिस्सा हैं। जमीयत उलेमा ए हिन्द की ओर से कहा गया था कि दंगो में समुदाय विशेष के लोगों को टारगेट किया गया। समुदाय विशेष के पीड़ितों ने जब दूसरे समुदाय से ताल्लुक रखने वालों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज करानी चाही तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। हमारी इन शिकायतों पर पुलिस ने कोई जवाब नहीं दाखिल किया है।

जमीयत ने कहा था कि दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग की रिपोर्ट का निष्कर्ष भी यही है कि दंगों में समुदाय विशेष को टारगेट किया गया। उन्होंने कहा था कि अल्पसंख्यक आयोग ने पांच सदस्यीय कमेटी से निष्पक्ष जांच कराए जाने की जरूरत जताई हैं। हम भी इससे सहमत है। कोर्ट ने 12 मार्च, 2020 को दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस समेत उन नेताओं को नोटिस जारी किया था, जिनके खिलाफ हेट स्पीच के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, वारिस पठान, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, भाजपा नेता कपिल मिश्रा और प्रवेश वर्मा के खिलाफ अलग-अलग याचिका दाखिल की गई थी। इन याचिकाओं में इन नेताओं के खिलाफ जल्द एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। याचिकाओं में कहा गया था कि उच्च न्यायालय ने इस मामले में सुनवाई स्थगित कर गलत किया।

राष्ट्र की संप्रभुता पर हमला थे वर्ष 2020 के दिल्ली दंगे : दिल्ली पुलिस ने न्यायालय से कहा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फरवरी 2020 में शहर में हुए दंगों के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का कड़ा विरोध करते हुए मंगलवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि यह स्वतःस्फूर्त दंगा नहीं था, बल्कि राष्ट्र की संप्रभुता पर एक हमला था। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि समाज को सांप्रदायिक आधार पर बांटने का प्रयास किया गया था और यह महज संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) के खिलाफ आंदोलन नहीं था। मेहता ने कहा, "सबसे पहले, उस मिथक को तोड़ना होगा। यह कोई स्वतःस्फूर्त दंगा नहीं था। यह एक सुनियोजित और पूर्व-नियोजित दंगा था। यह एकत्रित साक्ष्यों से पता चलेगा...।" उन्होंने कहा, "भाषण के बाद भाषण, बयान के बाद बयान, समाज को सांप्रदायिक आधार पर बांटने की कोशिश थी। यह केवल किसी कानून के विरुद्ध आंदोलन नहीं था।" मेहता ने दलील दी, "शरजील इमाम ने कहा कि उसकी दिली ख्वाहिश है कि हर उस शहर में 'चक्का जाम' हो जहां मुसलमान रहते हैं। सिर्फ दिल्ली में ही नहीं।" सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि सोशल मीडिया पर एक विमर्श गढ़ा गया कि युवाओं के साथ कुछ बहुत गंभीर होने जा रहा है।

ढिचाऊं कलां एवं द्वारका बी दोनों ही वार्डो को पुनः संगठनात्मक शक्ति के बल पर जीतेंगे : पवन राणा

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के उपचुनाव के लिए मंगलवार को दिल्ली प्रदेश भाजपा के संगठन महामंत्री पवन राणा ने ढिचाऊं कलां एवं द्वारका बी वार्ड में चुनावी बैठक की। उन्होंने कहा कि ढिचाऊं कलां एवं द्वारका बी दोनों ही वार्ड फिर से जीतेंगे। पवन राणा ने कहा कि नजफगढ़ जिला क्षेत्र भाजपा का गढ़ हैं और ढिचाऊं कलां एवं द्वारका बी दोनों ही वार्ड कार्यकर्ताओं की मेहनत के बल पर 2022 में भी हमारे पक्ष में रहे थे और पुनः संगठनात्मक शक्ति के बल पर दोनों वार्ड जीतेंगे। इस दौरान नगर निगम उपचुनाव के प्रत्याशियों ने प्रचार-प्रसार किया। ग्रेटर कैलाश वार्ड की प्रत्याशी अंजुम मंडल ने संत नगर में अनेक परिवारों के साथ ड्राइंग रूम बैठकें की एवं चांदनी चौक वार्ड के प्रत्याशी सुमन कुमार गुप्ता ने दरीबा बाजार की गलियों में डोर टू डोर कैम्पन किया। द्वारका बी वार्ड में सांसद कमलजीत सहरावत एवं विधायक संदीप सहरावत ने ग्रीन वैली सैक्टर 22 में प्रत्याशी मनीषा सहरावत के साथ जनसम्पर्क किया। शालीमार बाग वार्ड से प्रत्याशी अनीता जैन के साथ हनुमान वाटिका एवं ईस्ट पार्क में एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने जनसम्पर्क किया। संगम विहार ए से प्रत्याशी शुभ्राजीत गौतम के समर्थन में शनि बाजार एवं

प्रजापति चौक पर विधायक गजेन्द्र यादव एवं महिला मोर्चा अध्यक्ष ऋचा पांडेय ने सभाओं को सम्बोधित किया। दक्षिणपुरी वार्ड की प्रत्याशी रोहिणी राज के समर्थन में डाक्टर सुरेश चौक पर पूर्व अध्यक्ष आदेश गुप्ता एवं उपाध्यक्ष योगिता सिंह ने प्रचार सभा को सम्बोधित किया। मुंडका वार्ड से जयपाल सिंह दराल के समर्थन में विधायक मनोज शौकीन ने मुंडका गांव में चुनाव सभा को सम्बोधित किया। पूर्व सांसद दुष्यंत गौतम, प्रदेश उपाध्यक्ष लता गुप्ता एवं प्रदेश अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अनीस अब्बासी ने विनोद नगर वार्ड प्रत्याशी सरला चौधरी के समर्थन में जनसम्पर्क अभियान चलाया।

दिल्ली: पुलिस ने पश्चिम बंगाल और राजधानी के बीच सक्रिय मादक पदार्थ गिरोह के चार सदस्यों को दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय राजधानी के बीच ट्रॉली बैग में छिपाकर लंबी दूरी की ट्रेनों के जरिये गांजा की तस्करी करने वाले मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पश्चिमी दिल्ली से चार कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने लगभग 25 लाख रुपये मूल्य का 47 किलोग्राम से अधिक गांजा बरामद किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान सुभाष नगर निवासी टोनी सिंह (47), पश्चिम बंगाल के कूच बिहार निवासी सुल्ताना (30), पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी निवासी नूरजहां (32) और ओखला औद्योगिक क्षेत्र निवासी संतोष उर्फ भाभी (38) के रूप में हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम को नौ नवंबर को जनकपुरी डिस्ट्रिक्ट पार्क के पास गांजे की एक बड़ी खेप पहुंचाए जाने की विशेष सूचना मिली। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छापेमारी की और टोनी, सुल्ताना व नूर को ट्रॉली बैग के साथ गिरफ्तार कर लिया, जिसमें कथित तौर पर प्रतिबंधित पदार्थ भरा हुआ था। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने बाद में पूछताछ के दौरान 12 नवंबर को दिल्ली में मुख्य तस्कर संतोष को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि बरामद गांजे का वजन किया गया और कानूनी प्रक्रिया के अनुसार उसे जब्त कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि जनकपुरी थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया और पश्चिम बंगाल में अन्य मुख्य तस्करों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। जांचकर्ताओं के अनुसार, यह गिरोह पश्चिम बंगाल और दिल्ली के बीच सक्रिय था। पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल से बड़ी मात्रा में खेप कथित तौर पर भेजी जाती थी जबकि वाहक सुल्ताना और नूरजहां ट्रॉली बैग में छिपाकर लंबी दूरी की ट्रेनों में इसे ले आते थे। दिल्ली में संतोष ने कथित तौर पर माल प्राप्त किया और उसकी तस्करी की जबकि टोनी स्थानीय नेटवर्क में एक सूत्रधार के रूप में काम कर रहा था।

एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस दिल्ली के रामलीला मैदान में करेगी रैली

नई दिल्ली। कांग्रेस देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के विरोध में दिसंबर के पहले सप्ताह में दिल्ली के रामलीला मैदान में रैली आयोजित करेगी। पार्टी की मंगलवार को हुई उच्चस्तरीय बैठक में इसका निर्णय लिया गया। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर महासचिव केसी वेणुगोपाल का वीडियो जारी किया, जिसमें उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेताओं द्वारा 12 राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष, विधानमंडल दल के नेताओं, महासचिवों और वरिष्ठ नेताओं के साथ एसआईआर प्रक्रिया की समीक्षा की जानकारी दी। वेणुगोपाल ने कहा कि चुनाव आयोग जानबूझकर समाज के कुछ वर्गों के वोट हटाने की कोशिश कर रहा है। उनका आरोप है कि एसआईआर का डिजाइन ही चुनिंदा वोटरों को टारगेट कर उनके नाम हटाने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि असम के लिए अलग तरह का विशेष पुनरीक्षण लागू करना चुनाव आयोग की लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश है। उन्होंने केरल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 9 दिसंबर को स्थानीय निकाय चुनाव का पहला चरण होना है लेकिन उसी दिन बीएलओ को अंतिम सूची जमा करने का निर्देश दिया गया है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने भी एक वीडियो संदेश में कहा कि बिहार में हुए विशेष पुनरीक्षण की तरह ही बाकी राज्यों में भी टारगेट कर वोट काटे जा रहे हैं। कांग्रेस शुरुआत से ही एसआईआर की खामियों को उजागर करती रही है, बिहार चुनाव से पहले 'वोटर अधिकार यात्रा' निकाली गई थी और सुप्रीम कोर्ट के पांच आदेशों ने भी चुनाव आयोग की मंशा पर सवाल उठाए थे।

दिल्ली: कई अदालतों व सीआरपीएफ स्कूलों में बम रखने होने की सूचनाएं जांच में फर्जी निकलीं

नई दिल्ली। दिल्ली की साकेत, द्वारका और पटियाला हाउस अदालतों के साथ-साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा संचालित दो स्कूलों में मंगलवार सुबह बम रखा होने की सूचना दी गई जिसके बाद राष्ट्रीय राजधानी में बड़े पैमाने पर सुरक्षा जांच की गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि सुबह-सुबह अदालत परिसर में विस्फोटक रखे होने की सूचना देने वाला एक ईमेल मिला, जिसके बाद सुरक्षा टीमों को इन जिला अदालतों के परिसरों का निरीक्षण करने के लिए भेजा गया। सुरक्षा जांच के बाद कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। सुबह करीब-करीब इसी वक्त अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को कॉल कर बताया कि प्रशांत विहार और द्वारका स्थित सीआरपीएफ स्कूलों में बम रखे गए हैं। इस कारण सभी स्थानों पर स्थानीय पुलिस, बम निरोधक दस्ते और दिल्ली अग्निशमन सेवा की टीमों को तत्काल भेजा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, ₹फोन कॉल आने के बाद टीमें दोनों स्थानों पर पहुंच गईं और एहतियात के तौर पर स्कूल भवनों को खाली करा लिया गया।

उन्होंने कहा कि यह सूचना देने के बाद कॉल करने वाले का फोन बंद हो गया तथा उसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं। ईमेल मिलने के बाद तीनों अदालत परिसरों में इसी तरह की जांच की गई। अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा, ₹हमने दोनों स्कूलों की गहन जांच की और कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। धमकी को फर्जी घोषित कर दिया गया है।₹ पुलिस सूत्रों ने बताया कि अदालतों में भी इसी तरह की जांच की जा रही है, लेकिन अब तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

साकेत कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व सचिव धीर सिंह कसाना ने कहा कि अदालती कार्यवाही लगभग दो घंटे के लिए स्थगित कर दी गई थी और दोपहर के भोजन के बाद फिर से शुरू होगी। पटियाला हाउस अदालतों में नयी दिल्ली बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष नवनीत पंवार ने पुष्टि की कि ईमेल के माध्यम से बम रखने होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद जांच अभियान चलाया गया। पंवार ने कहा, ₹अदालती कार्यवाही जारी है। (कार्यवाही) बस, थोड़ी देर के लिए रोकी गई थी।

इस बीच, पटियाला हाउस अदालत में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था है, क्योंकि लाल किला बम विस्फोट मामले में एनआईए द्वारा गिरफ्तार किए गए दूसरे आरोपी जसीर बिलाल वानी को यहां पेश किया जाना है। ये फर्जी सूचनाएं हाल में लाल किला विस्फोट के बाद आई हैं। विस्फोटक पदार्थ से लदी एक कार में ऐतिहासिक स्मारक के निकट 10 नवंबर को विस्फोट हो गया, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य घायल हो गए। जांचकर्ताओं ने पाया है कि इस घटना का संबंध विस्फोट से पहले हरियाणा के फरीदाबाद में सुरक्षा एजेंसियों द्वारा पकड़े गए आतंकी मॉड्यूल से है।

संपादकीय

आदित्य वशिष्ठ

चिट्टे के खिलाफ

नशे के खिलाफ हिमाचल ने चिट्टे को अपना दुश्मन नंबर वन बनाते हुए, अगले कदमों की घोषणा कर दी। शिमला में वॉकथॉन के माध्यम से जागरूकता का जो अलख जगा, उसे प्रदेश व्यापी मुकाम तक पहुंचाने का बाकायदा कार्यक्रम बन रहा है। जागरूकता से नशे के तस्करों तक और अंततः बिगड़े माहौल की बेडियों को पुनर्वास के जरिए, फिर से जिंदगी की लहर तक पहुंचाने की वचनबद्धता में सरकार ने अपनी इच्छाशक्ति का खुलासा किया है। कभी 'लाल रंग' यानी शराब के खिलाफ कहानियां फिल्मी पर्दे पर जंग लड़ती थीं, लेकिन अब इसके दरिया में आर्थिकी की गंगा निकलती है। पर्यटन को और आकर्षित करने के लिए शराब तो मनोरंजन का पैमाना बन गया, लेकिन रसायनिक नशों ने जाम और चिल्म को एक पुडिया या सूई की नोक पर रख दिया। बिकने को कई दवाइयों ने नशे का व्यापार बना दिया और तस्करी के आलम में कसोल के पर्यटन का नशा बदनाम हो गया। हद तो यह कि मलाणा क्रीम के मायने सारे संसार में नशा मार्केटिंग के पैमाने बन गए। इन्हीं फासलों के नए कदम सीधे मौत में मापे जा रहे हैं। अब जिक्र चिट्टे का और सफेदपोश व्यापारियों के नेटवर्क में आने वाली पीढियों की तबाही का मंजर हम अपने आसपास देख रहे हैं। आश्चर्य यह कि पुलिस जांच में नशे की खेप पुडिया बन उतरती है। एक संगठित अपराध और डिस्ट्रिब्यूशन का समानांतर विस्तार। नशे की आदत से पहले इसके लक्ष्यों की निगाह और चरागाह पर लुटते युवा, जीवन संग्राम को पुडिया में शांत करते हैं। इस तरह यह नशे का एक ऐसा मनोविज्ञान बन रहा है, जो आधुनिक जीवनशैली, भविष्य की प्रतिस्पर्धा और राष्ट्रीय नीतियों को चुनौती दे रहा है। नशे के रास्ते और नशे के दुर्ग तय हैं, तो कानून का साम्राज्य और सामाजिक व्यवस्था की चौकसी भी तो कारगर होनी चाहिए। ऐसे में सरकार अति सक्रियता से प्रहार करने का तंत्र विकसित कर रही है। चिट्टे के खिलाफ वालंटियर रखे जा रहे हैं, तो शिक्षा के अध्यायों में इसी विषय पर विमर्श के पाठ पढ़ाए जाएंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में नशा तस्करों की संपत्तियों को लील कर पाप और प्रायश्चित से पूर्व कार्रवाइयों ने उदाहरण पेश किए हैं। कुछ नए पुलिस जिले बनाकर हिमाचल, जुर्म की नस्ल में नशे के कारोबार पर सख्त हुआ है। स्थिति की विकरालता के कई उदाहरण, परिवारों की तबाही में मिल जाएंगे, लेकिन इससे पूर्व हिमाचली चरित्र में आ रही गिरावट का सौदा भी तो देखिए। चिट्टा पहली नजर में खुराक नहीं बनता, बल्कि इसकी आमद में संलिप्त लोगों के लक्ष्यों में मासूम बचपन से जवानी की पूरा राह को राख करने का इरादा बसता है। यह परिश्रम नहीं, ऐसा प्रश्रय है जिसे कई स्तरों पर तोडना होगा।

भारत के सामने इस्लामिक आतंकवाद की चुनौती

ओडिशा के मौलाना अब्दुल रहमान कटकी को 2015 में अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंटस (एक्यूआईएस) से संबंध के आरोप में गिरफ्तार किया गया। 2023 में विशेष अदालत द्वारा दोषसिद्धि और सजा इस बात की पुष्टि थी कि कटकी युवाओं को उग्रवाद की ओर प्रेरित करता था। धार्मिक प्रवचनों की आड़ में वह अल-कायदा की विचारधारा फैलाता और युवाओं को संगठन से जोड़ने का प्रयास करता था। उसके नेटवर्क के खुलासे ने कट्टरपंथ के गहरे पैठे स्वरूप को उजागर किया। जम्मू-कश्मीर के शोपियां का मौलवी इरफान अहमद वागे इस खतरे के नए रूप का उदाहरण है। ये नौगाम मस्जिद के इमाम (उपदेशक) के रूप में काम कर रहा था और पहले एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (पैरामेडिक) के रूप में भी काम करता रहा था, जिससे चिकित्सा समुदाय के बीच आसानी से घुलने-मिलने में मदद मिली। मौलवी इरफान अहमद वागे हाल ही में दिल्ली लाल किला बम विस्फोट की साजिश से जुड़े एक ₹व्हाइट कॉलर₹ आतंकी मॉड्यूल के मास्टरमाइंड के रूप में सुरक्षा एजेंसियों की जांच के घेरे में आया है।

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत अपनी सभ्यतागत बहुलता, विविध विचारधाराओं और धार्मिक-सांस्कृतिक परंपराओं के कारण दुनिया में विशिष्ट पहचान रखता है, परंतु इन्हीं विविधताओं के भीतर समय-समय पर कुछ तत्व ऐसे भी उभरते रहे हैं, जिन्होंने मजहब (रिलीजन) की आड़ लेकर कट्टरपंथ, दुष्प्रचार और हिंसा को वैचारिक आधार देने की कोशिश की है। पिछले पचास वर्षों 1975 से 2025 की अवधि को देखें तो सुरक्षा एजेंसियों ने अनेक ऐसे खुलासे किए, जिनमें कुछ मौलवियों की भूमिका अत्यधिक चिंताजनक पाई गई है, जिन्होंने अपने मजहबी (धार्मिक) वेश और उपदेश की आड़ में उग्रवाद, जिहाद और आतंकवाद को बढ़ावा दिया है।

यहां कई लोग बचाव में ये तर्क देते नजर आते हैं कि अच्छा जिहाद भी होता है, लेकिन जो तर्क दे रहे हैं, आप उनकी न मानकर स्वयं से अध्ययन करें, ध्यान में आएगा कि गैर मुसलमान के प्रति एक मोमीन के लिए जिहाद के मायने आखिर हैं क्या? यहां यह भी समझ लें कि जिहादियों को आतंकवादी कहना अपने को भरमाना है। उग्रवाद, जिहाद और आतंकवाद ये तीनों ही अपने आप में अलग हैं लेकिन भारत में कई मौलवी ये तीनों करते नजर आए हैं। 1970 के दशक का उत्तरार्ध कश्मीर घाटी के भीतर कट्टरपंथी, जिहादी, उग्रवादी, आतंकी गतिविधियों के उभरने का शुरुआती दौर रहा। स्थानीय मौलवियों ने अलगाववाद को हवा दी। इस दौर में भले ही गिरफ्तारियाँ कम थीं, परंतु इंटेलिजेंस ब्यूरो की रिपोर्टें करती है कि मस्जिदें और अन्य मजहबी संस्थान आतंकी संगठनों के दुष्प्रचार का माध्यम बनते रहे। 1990 के बाद कश्मीर में हिंसा चरम पर पहुँची तो अनेक मौलवी खुलकर हिजबुल मुजाहिदीन, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों से जुड़कर जिहाद एवं इस्लामिक आतंकवादी के वैचारिक सहायक के रूप में सामने आए। कई इमाम ऐसे पकड़े गए जो मस्जिदों से भड़काऊ भाषण देते थे, युवाओं को 'जिहाद' के नाम पर उकसाते थे और आतंकी संगठनों से सीधे संपर्क में पाए जाते थे। आप यदि इनके विस्तार में जाना चाहेंगे तो अनेक नाम आपको मिल जाएंगे।

वस्तुतः 2000 के दशक तक यह स्पष्ट हो चुका था कि इस्लामिक चरमपंथ देश के सिर्फ सीमावर्ती राज्यों तक सीमित नहीं रहा है, यह पूरे देश में फैल चुका है। 2014 के बाद डिजिटल प्लेटफॉर्मों के तीव्र प्रसार ने इस खतरे को कई गुना बढ़ा दिया। व्हाट्सऐप, टेलीग्राम, सोशल मीडिया चैनल और वीओआईपी कॉल्स ने कट्टरपंथी विचारधारा के प्रसार को अत्यंत आसान बना दिया। परिणामस्वरूप 2014 से 2025 यानी आज दिनांक तक देश भर में सैकड़ों मौलवी आतंकवाद, कट्टरपंथी दुष्प्रचार या संदिग्ध विदेशी संपर्कों के आरोप में गिरफ्तार किए गए। जिसमें कि कुछ प्रकरण एवं नाम राष्ट्रीय स्तर पर बहस का केंद्र बने।

ओडिशा के मौलाना अब्दुल रहमान कटकी को 2015 में अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंटस (एक्यूआईएस) से संबंध के आरोप में गिरफ्तार किया गया। 2023 में विशेष अदालत द्वारा दोषसिद्धि और सजा इस बात की पुष्टि थी कि कटकी युवाओं को उग्रवाद की ओर प्रेरित करता था। धार्मिक प्रवचनों की आड़ में वह अल-कायदा की विचारधारा फैलाता और युवाओं को संगठन से जोड़ने का प्रयास करता था। उसके नेटवर्क के खुलासे ने कट्टरपंथ के गहरे पैठे स्वरूप को उजागर किया।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां का मौलवी इरफान अहमद वागे इस खतरे के नए रूप का उदाहरण है। ये नौगाम मस्जिद के इमाम (उपदेशक) के रूप में काम कर रहा था और पहले एक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (पैरामेडिक) के रूप में भी काम करता रहा था, जिससे चिकित्सा समुदाय के बीच आसानी से घुलने-मिलने में मदद मिली। मौलवी इरफान अहमद वागे हाल ही में दिल्ली लाल किला बम विस्फोट की साजिश से जुड़े एक ₹व्हाइट कॉलर₹ आतंकी मॉड्यूल के मास्टरमाइंड के रूप में सुरक्षा एजेंसियों की जांच के घेरे में आया है।

मौलवी इरफान अहमद का आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के लिए काम करना पाया गया है। उन पर डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों सहित शिक्षित युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें आतंकी गतिविधियों में शामिल करने का आरोप है। कुल मिलाकर दिल्ली धमाके से जुड़े मॉड्यूल के खुलासे ने यह सामने ला दिया है कि मेडिकल छात्रों तक कट्टरपंथी विचारधारा पहुँचाने के पीछे मौलवी वागे की निर्णायक भूमिका रही। उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से आईएसआईएस और एक्यूआईएस से जुड़ी डिजिटल सामग्री पत्रक, वीडियो, चैट और विदेशी संपर्क मिले। इसी मॉड्यूल का एक हिस्सा इश्तियाक अहमद भी था, जिसे हरियाणा और राजस्थान में संयुक्त कार्रवाई के दौरान गिरफ्तार किया गया। उसके घर और मदरसे से बरामद दस्तावेज और विदेशी लेनदेन नेटवर्क ने यह बताया कि वह लॉजिस्टिक सहायता प्रदान करने के साथ अपने इस आतंकी गिरोह को विस्फोटक सामग्री के छुपाव में भी शामिल है।

झारखंड में 2016 में अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंटस लिंक के आरोप में गिरफ्तार मौलाना कलिमुद्दीन मुजाहिरी का मामला भी उल्लेखनीय रहा। हालांकि 2025 में अदालत ने सबूतों के अभाव में उन्हें बरी कर दिया, लेकिन इससे यह सवाल अवश्य उठा कि धार्मिक संस्थान किस हद तक आतंकी संगठनों की भर्ती या संदेश प्रसार का साधन बन सकते हैं। अभी हाल ही में राजस्थान के जालोर से गिरफ्तार मौलवी ओसामा उमर कट्टरपंथ के नवीनतम स्वरूप की भयावह झलक प्रस्तुत करता है। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से उसका चार वर्षों का संपर्क, डिजिटल उपकरणों से मिली तीन लाख से अधिक कट्टरपंथी सामग्री, विदेशी प्रशिक्षण की तैयारी और युवाओं को डिजिटल जिहाद में शामिल करने का प्रयास यह सब इस खतरे के वैश्विक विस्तार की ओर संकेत करते हैं। यह स्पष्ट है कि आज कट्टरपंथी मौलवी अब सिर्फ स्थानीय मस्जिदों तक सीमित नहीं रहे हैं, इन सभी का वैश्विक आतंकी संगठन प्रत्यक्ष मार्गदर्शन कर रहे हैं।

आज मौलवियों से जुड़ा यह तथ्य देश को जान लेना चाहिए कि पिछले पचास वर्षों में सुरक्षा एजेंसियों ने लगभग तीन सौ से अधिक मौलवियों को आतंकवाद, कट्टरपंथी विचारधारा या विदेशी संपर्कों के आधार पर गिरफ्तार किया है। हवाला नेटवर्क, विदेशी फंडिंग, मदरसों में संदिग्ध गतिविधियाँ और डिजिटल मॉड्यूल इन सभी का पर्दाफाश यह बताता है कि खतरा जटिल और बहुआयामी है।

अब सवाल उस कौम से है, जहां इस प्रकार के मौलवी पैदा हो रहे हैं, यदि किसी भी समाज में इस तरह के चरमपंथी, आतंकवादी बार-बार सामने आ रहे हैं, इसका मतलब यही निकलता है कि उनके बीच ऐसे लोगों के पैदा होने पर व्यापक विरोध नहीं हो रहा, यदि होता तो कोई कारण नहीं ये जिहादी और आतंकी मौलवियों की फसल पैदा होती! अब आवश्यक मुसलिम समुदाय के अपने भीतर आत्मसमीक्षा करने की है, अच्छा हो वे इसके प्रति जागरूकता विकसित करे। डिजिटल मॉनिटरिंग, डी-रैडिकलाइजेशन कार्यक्रम, स्कूलों-मदरसों में आधुनिक शिक्षा और समुदाय स्तर पर संवाद ये करना आज की अनिवार्यता है। क्योंकि चरमपंथ का मुकाबला केवल पुलिस या सुरक्षा एजेंसियाँ नहीं कर सकतीं; इसके लिए समाज और राज्य दोनों की साझी सतर्कता आवश्यक है। अन्यथा इस प्रकार के मौलवी लगातार पैदा होते रहेंगे और जो दिल्ली में घटा, ऐसे विस्फोट देश के आम नागरिकों की जान लेते रहेंगे।

कठोर निर्णयों की प्रणेता और भारत की लौह आवाज इंदिरा गांधी

-योगेश कुमार गोयल-

इंदिरा गांधी जयंती पर विशेषः

पं. जवाहरलाल नेहरू के घर 19 नवम्बर 1917 को जब प्रियदर्शिनी नामक कन्या ने जन्म लिया था तो किसे पता था कि यही कन्या आगे चलकर न केवल इस देश की बागडोर संभालेगी बल्कि अपनी दबंगता से पूरी दुनिया में मिसाल बन जाएगी। ऑक्सफोर्ड और स्विट्जरलैंड में उच्च शिक्षा प्राप्ति के पश्चात इंदिरा गांधी ने उच्च पद पर नौकरी करने या कोई अन्य कार्य करने के बजाय अपना जीवन देशसेवा में समर्पित करने का निश्चय किया। देशभक्ति की भावना इंदिरा जी में बचपन से ही कूट-कूटकर भरी थी। विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार के आव्हान से प्रेरित होकर बचपन में ही इन्होंने अपने घर के बाहर अपने कीमती कपड़ों की होली जलाकर न केवल अपनी इसी भावना का परिचय दिया था बल्कि उसके बाद इंदिरा जी से प्रेरणा लेकर इस आन्दोलन ने पूरे देश में जोर पकड़ा था।

इंदिरा जी के स्कूली दिनों में एक दिन स्कूल में गांधी जी के आमरण अनशन को लेकर एक सभा का आयोजन था, जिसमें बच्चों को भी बोलने का अवसर दिया गया था। जब इंदिरा जी ने बोलना शुरू किया तो सभागार में सन्नाटा छा गया और सभी एकटक इंदिरा को निहारने लगे कि इतनी छोटी बालिका इतनी गूढ़ बातें कैसे कर रही है। उन्होंने कहा, "आखिर स्वर्ण अपने ही दलित भाईयों को गिरा हुआ, छूत और निकृष्ट क्यों समझते हैं तथा उनके साथ दुवर्यवहार और अत्याचार क्यों करते हैं? अगर हमने अपनी ही सेवा करने वालों का इस तरह से निरन्तर तिरस्कार न किया होता तो आज अंग्रेजों को इस प्रकार लाभ उठाने का अवसर न मिल रहा होता और न ही बापू को इस तरह से आमरण अनशन कर अपने प्राण दांव पर लगाने पड़ते।" इंदिरा जी की इन गूढ़ और तर्कसम्मत बातों के समक्ष सभी नतमस्तक थे और उनकी सराहना कर रहे थे। इंदिरा में बचपन से ही एक अच्छी राजनेता होने के तमाम गुण विद्यमान थे। 21 वर्ष की आयु में वह कांग्रेस में शामिल होकर सक्रिय राजनीति में कूद पड़ी। उसके बाद उन्होंने आजादी के आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

1942 में उन्होंने फिरोज गांधी से प्रेम विवाह किया किन्तु 1960 में फिरोज गांधी का अकस्मात निधन हो गया। पिता जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद देश की बागडोर संभालने की जिम्मेदारी इंदिरा के कंधों पर आई तो अपनी दृढ़ता, दबंगता, निडरता और वाकपटुता से उन्होंने दुनियाभर को अपना लोहा मानने को विवश कर दिया। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित एवं प्रभावशाली देशों में भी उनकी तूती बोलती थी। 1966 से 1977 तक उन्होंने देश पर एकछत्र शासन किया और उनकी कार्यशैली तथा देश के प्रति उनका समर्पण भाव देखकर विरोधी भी उनकी सराहना किए बिना नहीं रह पाते थे। हालांकि लालबहादुर शास्त्री के बाद प्रधानमंत्री बनी इंदिरा को शुरुआती दौर में 'गूंगी गुड़िया' की उपाधि दी गई थी किन्तु बहुत ही कम समय में अपने साहसिक निर्णयों से इंदिरा ने साबित कर दिखाया था कि वो एक 'गूंगी गुड़िया' नहीं बल्कि 'लौह महिला' हैं।

बैंकों के राष्ट्रीयकरण तथा 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारत की शानदार जीत के बाद इंदिरा जी जनमानस की आंखों का तारा बन गई थी किन्तु 1975-77 के आपातकाल ने उनकी छवि पर ग्रहण लगाने में प्रमुख भूमिका निभाई और उस दौर ने उनकी छवि एक तानाशाह के रूप में स्थापित कर दी। यही वजह रही कि 1977 में इंदिरा को पहली बार हार का सामना करना पड़ा और सत्ता उनके हाथ से छिन गई किन्तु निराश होना तो जैसे उन्होंने सीखा ही नहीं था, इसलिए 1980 में एक बार फिर विशाल बहुमत के साथ वह सत्ता में लौटी। अपने शासनकाल में उन्होंने कभी अलगाववादी व साम्प्रदायिक आग भड़काने वाले तत्वों को नहीं पनपने दिया। ऐसे तत्वों को उन्होंने बेदर्दी से कुचलने में जरा भी देर नहीं लगाई।

1980 में पुनः देश का शासन संभालने के बाद पंजाब में अलगाववादी ताकतों ने खालिस्तान की मांग शुरू की और दूसरे देशों की शह पर अपने नापाक इरादों को सफल बनाने के लिए सिख अलगाववादियों ने भयानक नरसंहार का दौर शुरू किया तथा पंजाब में अवैध रूप से हथियारों के जखीरे इकट्ठा करने शुरू कर दिए।

देश की जांबाज, निडर एवं साहसी नेता इंदिरा को भला यह कैसे सहन होता, इसलिए जैसे ही उन्हें खबर मिली कि सिख अलगाववादियों ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर जैसी पाक जगह में भी हथियारों का विशाल जखीरा इकट्ठा किया है तो उन्हें देश की एकता और अखंडता कायम रखने तथा अलगाववादियों के मंसूबों पर पानी फेरने के लिए इस पवित्र धर्मस्थल के भीतर न चाहते हुए भी 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' के तहत पुलिस भेजने का सख्त निर्णय लेना पड़ा। हालांकि उस वक्त स्वर्ण मंदिर के भीतर पुलिस बल भेजने के उनके फैसले की बहुत आलोचना हुई किन्तु जब स्वर्ण मंदिर से हथियारों का बहुत बड़ा जखीरा बरामद हुआ और धार्मिक स्थल की आड़ में चल रही इस राष्ट्र विरोधी साजिश का भंडाफोड़ हुआ तो उन्हीं लोगों ने इंदिरा जी की सराहना भी की। उसके बाद इंदिरा ने जिस दिलेरी और दृढ़ता के साथ अलगाववादियों को रौंदा, वह एक मिसाल बन गया लेकिन अलगाववादियों के विरूद्ध चलाए गए उनके इसी ऑपरेशन की वजह से ही वह उनकी हिट लिस्ट में सबसे ऊपर आ गई, जिन्होंने हर हाल में उनकी हत्या कर उन्हें अपने मार्ग से हटाने की ठान ली। इंदिरा जी को स्वयं अपनी मौत का आभास पहले ही हो गया था लेकिन फिर भी वह अपने दृढ़ इरादों से टस से मस न हुई और अलगाववादियों के खिलाफ अपना अभियान पहले से भी तेज कर दिया। 30 अक्तूबर 1984 को भुवनेश्वर की एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंदिरा ने अपनी हत्या का पूर्वाभास होने का स्पष्ट संकेत देते हुए कहा था, "देश की सेवा करते हुए यदि मेरी जान भी चली जाए तो मुझे गर्व होगा। मुझे भरोसा है कि मेरे खून की एक-एक बूंद देश के विकास में योगदान देगी और देश को मजबूत एवं गतिशील बनाएगी।"

इंदिरा जी के इस भाषण के चंद घंटों बाद ही 31 अक्तूबर 1984 की सुबह करीब सवा नौ बजे उनके दो निजी अंगरक्षकों ने ही उन्हें उस वक्त गोलियों से छलनी कर दिया, जब वह अपने आवास से निकलकर विदेशी मीडिया को इंटरव्यू देने जा रही थी। उस हत्याकांड से जहां पूरे देश में शोक की लहर छा गई, वहीं दूसरी ओर इंदिरा जी का शहीदी रक्त रंग लाया और इस नृशंस हत्याकांड के बाद सिख अलगाववादियों को मदद मिलनी बंद हो गई तथा इंदिरा जी की शहादत के साथ ही खालिस्तान की मांग भी गहरे दफन हो गई। इंदिरा जी अक्सर कहा करती थी कि उन कायरों और बुजदिलों पर मातम करो, जो दुनिया के जुल्मों से घबराकर इस तरह आंखें बंद कर लेते हैं, जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

इन लाभकारी उपायों को बुरे दिनों से बचने के लिए आजमाएं

यदि आप पर ग्रह नक्षत्रों की बुरी दशा चल रही है या आप कई महीनों से समस्याओं से घिरे हुए हैं, एक के बाद एक संकट आते रहते हैं तो यहां बताएं गए उपाय को अजमाएं।

1. हनुमान चालीसा पढ़ना- सबसे पहले हनुमान चालीसा नियम से पढ़ना शुरू कर दें। पवित्र भावना और शांतिपूर्वक पढ़ने से हनुमान जी की कृपा प्राप्त होती है जो हमें हर तरह की जानी अनजानी अनहोनी से बचाती है।

2. हनुमान जी को चढ़ाए चोला- 5 बार हनुमान जी को चोला चढ़ाए तो तुरंत ही संकटों से मुक्ति मिल जाती है। प्रति मंगलवार या शनिवार को बड़ के पत्ते पर आटे का दिया जलाकर उसे हनुमान जी के मंदिर पर रख आए। ऐसा कम से कम 11 मंगलवार या शनिवार को करें।

3. जानवरों को भोजन- गाय, कुत्ते, चींटी और पक्षियों को भोजन खिलाएं। वृक्ष, पक्षी, गाय, कुत्ता, कौवा, चींटी आदि प्राणियों के अन्न जल की व्यवस्था करने से इनकी हर तरह से दुआ मिलती है। इनको खिलाने से बहुत बड़ा पुण्य प्राप्त होता है।

4. नारियल का उतारा- पानीदार एक नारियल लें और उसे अपने ऊपर से 21 बार वारे। वारने के बाद उसे बहते हुए पानी में बहा दें या देवस्थान पर जाकर अग्नि में जला दें। ये उपाय मंगलवार या शनिवार को करना है। परिवार के जिस सदस्य पर संकट हो उसके ऊपर से वारे।

5. शमशान में सिक्के डाल आए- यदि किसी की अर्थी में जाना हो तो लौटते वक्त शमशान में कुछ सिक्के फेंकते हुए आ जाएं। पीछे पलटकर न देखें। इस उपाय से अचानक आई बाधा तुरंत ही समाप्त हो जाएगी और देवीय सहयोग मिलने लगेगा।

6. मछलियों को खिलाएं- कागज पर छोटे अक्षर से राम-राम लिखें। अधिक से अधिक संख्या में लिखे फिर नाम को अलग-अलग काट लें। अब आटे की छोटी-छोटी गोलियां बनाकर एक-एक कागज पर लिखे राम पर लपेट लें और नदी या तालाब पर जाकर मछलियों और कछुओं को ये गोली खिलाएं। प्रतिदिन खिलाएं और चींटियों को भुने हुए आटे में बूरा मिलाकर बनाई पंजीरी खिलाएं।

आज का इतिहास

1824 - रुस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर में बाढ़ से दस हजार लोगों की मौत।
1895 - फ्रेडरिक ई ब्लेसडेल ने पेंसिल का पेंटेट कराया।
1933 - यूरोपीय देश स्पेन में महिलाओं को मताधिकार का अधिकार मिला।
1951 - अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1952 - स्पेन यूनेस्को का सदस्य बना।
1977 - मिस्त्र के राष्ट्रपति अनवर सादात की ऐतिहासिक इजरायल यात्रा।
1982 - नौवें एशियाई खेल दिल्ली में शुरु।
1986 - पर्यावरण संरक्षण अधिनियम लागू हुआ।
1994 - भारत की ऐश्वर्या राय मिस वर्ल्ड चुनी गईं।
1995 - कर्णम मल्लेश्वरी ने भारोत्तोलन में विश्व कीर्तिमान बनाया।
1997 - कल्पना चावला अंतरिक्ष जाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।
1998 - भारत समेत विश्व के कई देशों में लाखों लोग आकाश को देखते हुए निराश हुए, केवल जापान एवं थाईलैंड से निवासी ही दिवाली (उल्का पिंडों का पृथ्वी के वातावरण से टकराकर जलने का नज़ारा) मना सके, कैंब्रिज स्थित इंटरनेशनल बायोग्राफ़िकल सेंटर ने भरनाट्यम की प्रख्यात नृत्यांगना कोमला वर्धन को वर्ष 1998 का 'वूमेन आफ़ दी इयर' पुरस्कार के लिए चुना।
2000 - पाकिस्तान की एक अदालत द्वारा पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की माँ नुसरल भुट्टो को 2 वर्ष के कठिन कारावास की सजा।
2002 - आस्कर पुरस्कार से सम्मानित अभिनेता जेक्स कोबर्न का लास एंजिल्स में निधन।
2005 - पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ़ ने भारत को भूकम्प पीड़ितों के हित में कश्मीर समस्या सुलझाने का सुझाव दिया।
2006 - भारत ने परमाणु ऊर्जा और यूरेनियम सप्लाई के लिए आस्ट्रेलिया का समर्थन मांगा।
2007 - अफगानिस्तान के दक्षिण पश्चिम प्रान्त निमरोज में हुए आत्मघाती हमले में गवर्नर के बेटे समेत सात लोग मारे गए।
2008 - संयुक्त राष्ट्र की अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख मो. अलबरदेई को वर्ष 2008 के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय अवार्ड देने की घोषणा की गई।

समाज को बदलने की शुरुआत: बच्चों को नई दृष्टि देने का संकल्प

-डॉ. प्रियंका सौरभ-

समाज परिवर्तन की सबसे कठिन, सबसे लंबी और सबसे महत्त्वपूर्ण यात्रा हमेशा अपने मूल में उन छोटे-छोटे बीजों से शुरू होती है, जिन्हें हम बच्चे कहते हैं। दुनिया की कोई भी क्रांति-विचारों की हो, नैतिकता की हो, तकनीक की हो या इंसानी मूल्यों की-तब तक स्थायी नहीं हो सकती जब तक वह अगली पीढ़ियों के जीवन-दर्शन में अपनी जड़ें न जमा ले। यही कारण है कि बुद्ध, विवेकानंद, गांधी, टैगोर, नेल्सन मंडेला जैसे विचारकों ने मानव सभ्यता में किसी स्थायी परिवर्तन के लिए शिक्षा, संस्कार और बाल मानस की संवर्धन को सबसे महत्वपूर्ण आधार माना। आज जब समाज अनेक स्तरों पर मूल्य-संकट, हिंसा, असहिष्णुता, उपभोक्तावाद, कट्टरता और सामाजिक विघटन की चुनौतियों से गुजर रहा है, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो उठता है- क्या हम अपने बच्चों को वह दृष्टि दे पा रहे हैं, जिसके आधार पर वे वर्तमान से बेहतर भविष्य बना सकें?

बच्चों के भीतर समाज को देखने का दृष्टिकोण केवल पाठ्यपुस्तकों से नहीं बनता, बल्कि परिवार, परिवेश, विचारों, संवाद, उदाहरणों और सबसे अधिक-व्यस्कों के व्यवहार से बनता है। बच्चा, दरअसल, समाज का सबसे संवेदनशील दर्पण होता है। जिस प्रकार की भाषा, सोच, सह-अस्तित्व, सामाजिक व्यवहार, संवेदनशीलता और दृष्टि वह अपने आस-पास देखता है, वही धीरे-धीरे उसके भीतर किसी अनलिखी किताब की तरह अंकित हो जाती है। यही कारण है कि यदि हम समाज को बदलना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपने व्यवहार, अपने पारिवारिक वातावरण और अपने सामाजिक आचरण को बदलना होगा-क्योंकि बच्चा वही बनता है, जो वह देखता है; वही नहीं बनता, जिसे वह सुनता है।

आज के समय में बच्चों के सामने समाज को समझने के दो बड़े स्रोत मौजूद हैं-एक परिवार, दूसरा डिजिटल दुनिया। दुर्भाग्य यह है कि दोनों में से किसी में भी वह स्पष्ट और संतुलित दृष्टि नहीं मिल पाती, जिसकी उसे आवश्यकता है। परिवारों में संवाद कम हो गया है, समय घट गया है और साथ बैठने की संस्कृति लगभग लुप्त होती जा रही है। वहीं डिजिटल दुनिया बच्चों को सूचना का असीमित सागर तो देती है, परंतु विवेक और दिशा का दीपक नहीं देती। ऐसे में बच्चे जानकारी तो बहुत पा लेते हैं, परंतु समझ की कमी के कारण वह जानकारी उनके भीतर भ्रम, असुरक्षा और अव्यवस्थित दृष्टिकोण पैदा कर देती है। इसीलिए यह आवश्यक है कि हम बच्चों को समाज को देखने के लिए एक ऐसी दृष्टि दें जो संवेदनशील हो, विवेकपूर्ण हो, वैज्ञानिक हो, नैतिक हो और सबसे अधिक-मानवतावादी हो। बच्चा यदि सीख जाए कि समाज केवल भीड़ नहीं, बल्कि व्यक्तित्वों का एक जीवंत तानाबाना है; कि हर व्यक्ति की अपनी संघर्ष-कथा है; कि हर निर्णय का कोई संदर्भ होता है; और कि सहानुभूति किसी भी सभ्यता का सबसे बड़ा आधार है-तो वह न केवल एक बेहतर नागरिक बनेगा, बल्कि समाज को भी बेहतर दिशा देगा।

समाज परिवर्तन का यह बीज तभी पनप सकता है जब हम अपने बच्चों को प्रश्न पूछना सिखाएं। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में बच्चों को प्रश्न पूछने से अधिक उत्तर रटने की आदत डाली जाती है। जबकि सच्चा ज्ञान, सच्चा चिंतन और सच्ची प्रगति वहीं से जन्म लेती है जहाँ प्रश्नों की स्वतंत्रता होती है। यदि बच्चा अपने घर, स्कूल और समाज में यह महसूस करे कि वह निडर होकर प्रश्न कर सकता है, विचार व्यक्त कर सकता है, असहमति जता सकता है, और गलतियों से सीख सकता है-तो उसके भीतर रचनात्मकता और मौलिकता विकसित होती है। यही रचनात्मकता समाज को आगे ले जाती है। समाज को देखने का नया दृष्टिकोण बच्चों को तभी मिलेगा जब हम उन्हें विविधता को स्वीकार करना सिखाएँ। आज के समय में विभाजन, ध्रुवीकरण और एकांगी सोच के कारण समाज के भीतर खाईयाँ बढ़ रही हैं। बच्चे स्कूलों में साथ पढ़ते हैं, खेलते-कूदते हैं, लेकिन बड़े होने पर अक्सर उन दीवारों को अपना लेते हैं जो समाज ने खड़ी की होती हैं। इसलिए यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम बच्चों को यह समझाएँ कि विविधता समाज की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यदि वह यह समझ जाए कि हर संस्कृति, हर भाषा, हर परंपरा, हर विचार और हर व्यक्ति समाज की सामूहिक पहचान का हिस्सा है-तो वह न केवल एक बेहतर नागरिक बनेगा, बल्कि वह उन दीवारों को भी तोड़ पाएगा जो नफरत और संकीर्णता खड़ी करती हैं।

समाज बदलने की इस प्रक्रिया में शिक्षा प्रणाली की भूमिका निर्णायक है। शिक्षा केवल परीक्षा पास कराने का साधन नहीं हो सकती; वह बच्चों को जीवन और समाज को समझने की कला भी सिखाए। उन्हें यह बताया जाए कि सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि इंसानियत, सत्यनिष्ठा, सहयोग, साहस और संवेदनशीलता से भी मापी जाती है। यह भी समझाया जाए कि समाज केवल लिए जाने की चीज़ नहीं, बल्कि कुछ देने की जिम्मेदारी भी है। जब बच्चा अपने जीवन में 'कर्तव्य' का भाव समझता है, तभी वह समाज के लिए कुछ करने का संकल्प लेता है।

बच्चों को नई दृष्टि देने के लिए पहला कदम है-उन्हें सही आदर्श देना। आदर्श का मतलब सिर्फ बड़े-बड़े व्यक्तित्व नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन में ऐसे छोटे-छोटे उदाहरण भी हैं, जो उनके व्यवहार पर गहरा प्रभाव डालते हैं। जैसे-किसी भूखे को भोजन देना, किसी बुजुर्ग की सहायता करना, प्रकृति की रक्षा करना, सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता रखना, सत्य बोलना, स्त्री-पुरुष समानता मानना, जाति-भेद समाप्त करना और कानून का सम्मान करना। जब बच्चा यह सब अपने घर और समाज में जीवन्त रूप में देखता है, तब उसमें भी वैसा ही चरित्र-विकास होता है। बच्चों में यह दृष्टि विकसित करने के लिए सबसे आवश्यक है- उन्हें स्वयं सोचने देना, स्वयं अनुभव करने देना, स्वयं सीखने देना। बच्चों पर अपनी सोच थोप देना समाज परिवर्तन का मार्ग नहीं, बल्कि समाज को जड़ता में बाध्य करने का तरीका है। यदि बच्चा स्वयं यह अनुभव करे कि समाज में समस्याएँ हैं और उन्हें बदलना संभव है, तो उसके भीतर यथार्थ की समझ और परिवर्तन का साहस जन्म लेता है।

बच्चों को नया दृष्टिकोण देना मतलब यह नहीं कि हम उन्हें आदर्शवादी कल्पनाओं में जीने दें। बल्कि उन्हें यह समझाना है कि समाज जटिल है, समस्याएँ वास्तविक हैं, लेकिन समाधान भी संभव हैं। उन्हें चुनौतियों को स्वीकार करना सिखाना है। उन्हें यह बताना है कि प्रगति के रास्ते संघर्ष से होकर गुजरते हैं, और यह कि उनके छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े परिवर्तन का कारण बन सकते हैं। यदि हम आने वाली पीढ़ियों को यह समझा पाएं कि समाज कोई बाहरी व्यवस्था नहीं, बल्कि 'हम सभी' की सामूहिक चेतना है-तो समाज को बदलने की यह यात्रा सशक्त और सफल हो सकती है। बच्चे वही समाज बनाएँगे, जो हम आज उनके भीतर बोएँगे। आज यदि हम उनके भीतर सत्य, न्याय, संवेदना, समानता, विज्ञान, विवेक और मानवीय मूल्यों के बीज बोते हैं, तो कल वे उसी समाज की फसल काटेंगे। अंततः बात फिर उसी सिद्धांत पर आकर खड़ी होती है-समाज को बदलने के लिए सर्वप्रथम हमें अपने बच्चों को समाज को देखने का नया दृष्टिकोण प्रदान करना होगा। यह दृष्टिकोण न केवल उनके भविष्य को उजाला देगा, बल्कि हमारे समाज की सामूहिक चेतना को भी नए क्षितिजों तक ले जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

जल को पवित्र, सीमित राष्ट्रीय संसाधन समझें : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को छठवें राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान करते हुए निजी व्यक्तियों और सार्वजनिक निकायों से जल को एक पवित्र और सीमित राष्ट्रीय संसाधन मानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सतत प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारी आवश्यक है। साथ ही उन्होंने आगाह किया कि भारत को अपने मीठे पानी के सीमित भंडार पर बढ़ते दबाव का सामना करना पड़ रहा है। एक बयान के अनुसार राष्ट्रपति ने कहा, ''हजारों साल पहले हमारे पूर्वजों ने ऋग्वेद में कहा था, अप्सु अन्तः अमृतम् (जल में अमरता है)।'' उन्होंने कहा, ''जल ही जीवन है। एक व्यक्ति भोजन के बिना कुछ दिन जीवित रह सकता है लेकिन पानी के बिना नहीं। हमें याद रखना चाहिए कि हम एक बहुत ही मूल्यवान संसाधन का उपयोग कर रहे हैं।'' मुर्मू ने नागरिकों, संस्थाओं और सरकारों से जल को ''पवित्र एवं सीमित राष्ट्रीय संसाधन'' मानने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने 10 श्रेणियों में 46 पुरस्कार विजेताओं को संरक्षण, नवाचार और कुशल जल उपयोग में उनके योगदान के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, ''मैं उन सभी व्यक्तियों और संगठनों को बधाई देती हूं जिन्हें आज यह पुरस्कार मिला है। आप जल के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं और आपके प्रयास हमारे राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण हैं।'' मुर्मू ने कहा कि जलवायु परिवर्तन जल चक्र को बाधित कर रहा है, जिससे पहले से ही सीमित जल संसाधनों पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''ऐसी स्थिति में सरकार और लोगों को जल की उपलब्धता और जल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।'' उन्होंने भूजल को संरक्षित करने, चक्रीय जल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और उद्योगों में पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। मुर्मू ने जल जीवन मिशन के तहत घरेलू नल जल कनेक्शन के विस्तार को भारत के जल परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव बताया। मुर्मू ने ''आजीवन जल संरक्षण'' का आह्वान करते हुए याद दिलाया कि भारत की जल विरासत उसकी सांस्कृतिक पहचान से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, ''लोगों और समुदायों को जल का उपयोग बड़े सम्मान के साथ करना चाहिए। परिवारों, समाज और सरकार की सामूहिक भागीदारी से ही सतत जल प्रबंधन संभव है।'' जल संरक्षण में सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार महाराष्ट्र को मिला। उसके बाद गुजरात और हरियाणा का स्थान रहा। सर्वश्रेष्ठ जिले का पुरस्कार राजनांदगांव (छत्तीसगढ़), खरगोन (मध्य प्रदेश), मिर्ज़ापुर (उत्तर प्रदेश), तिरुनेलवेली (तमिलनाडु) और सिपाहीजाला (त्रिपुरा) को दिया गया, जिनमें से प्रत्येक ने अपने क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल किया। इन पुरस्कारों की स्थापना 2018 में की गयी है। इसका उद्देश्य सर्वोत्तम तौर-तरीकों का प्रदर्शन करना और समुदायों, संस्थानों तथा उद्योगों को जल समृद्ध भारत में योगदान देने वाले उपायों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में पुरस्कृत किया। यह पुरस्कार कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह और नगर निगम आयुक्त विश्वदीप ने ग्रहण किया। रायपुर जिला प्रशासन एवं रायपुर नगर निगम को जल संचय जन भागीदार (जेएसजेबी) 1.0 अभियान का पुरस्कार प्रदान किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा पहली बार इस श्रेणी में पुरस्कार दिया है। देश भर कर निगमों में रायपुर नगर निगम प्रथम, रायपुर जिला ईस्टर्न जोन के कैटेगरी 01 में तीसरा तथा राज्यों में छत्तीसगढ़ ने द्वितीय स्थान हासिल किया।

आईसीजी ने उत्तरी बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा पर 79 बांग्लादेशी मछुआरों को पकड़ा

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) के जहाजों ने उत्तरी बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा (आईएमबीएल) पर निगरानी के दौरान 79 मछुआरों को पकड़ा है। यह सभी मछुआरे भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के अंदर अवैध रूप से मछली पकड़ने के लिए नौकाओं के साथ आये थे। आईसीजी ने उनकी मछली पकड़ने वाली तीन नौकाओं (बीएफबी) को भी जब्त किया है।

कमांडेंट अमित उनियाल ने बताया कि 15 एवं 16 नवंबर को भारत के ईईजेड के अंदर अवैध रूप से मछली पकड़ने के आरोप में तीन बांग्लादेशी मछली पकड़ने वाली नौकाओं (बीएफबी) और उनके 79 चालक दल के सदस्यों को पकड़ा गया है। नियमित निगरानी के दौरान मछली पकड़ने वाली नौकाओं को भारतीय जल क्षेत्र के भीतर पाया गया, जो भारतीय समुद्री क्षेत्र (विदेशी जहाजों द्वारा मछली पकड़ने का विनियमन) अधिनियम, 1981 का उल्लंघन था। आईसीजी की बोर्डिंग टीमों ने नौकाओं को तुरंत रोककर गहन निरीक्षण किया।

आईसीजी के अनुसार किसी भी चालक दल के पास भारत के समुद्री क्षेत्रों में मछली पकड़ने का वैध प्राधिकरण या परमिट नहीं था। नौकाओं पर मौजूद मछली पकड़ने के उपकरण और ताजी पकड़ी गई मछलियों ने अवैध रूप से मछली पकड़ने की गतिविधि की पुष्टि की। इसके बाद तीनों बीएफबी को उनके चालक दल सहित सुरक्षित रूप से फ्रेजरगंज ले जाया गया। इसके बाद नौकाओं और उनके कर्मियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए फ्रेजरगंज स्थित मरीन पुलिस को सौंप दिया गया। यह अभियान पश्चिम बंगाल पुलिस और भारतीय तटरक्षक बल के बीच निर्बाध समन्वय और भारत के समुद्री हितों की रक्षा, अवैध मछली पकड़ने को रोकने और राष्ट्रीय जलक्षेत्र में काम करने वाले भारतीय मछुआरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आईसीजी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारतीय तटरक्षक बल समुद्री कानूनों को लागू करने और राष्ट्रीय समुद्री संपत्तियों की रक्षा के लिए निरंतर सतही और हवाई निगरानी के माध्यम से बंगाल की खाड़ी में निरंतर नजर रखे है।

संक्षिप्त खबरें

असम में 44 कश्मीरी मजदूरों को रोका, पहचान सत्यापित होने पर पुलिस ने जाने दिया

तिनसुकिया (असम)। अरुणाचल प्रदेश जाने के लिए यात्रा कर रहे जम्मू-कश्मीर के 44 मजदूरों को असम के न्यू तिनसुकिया रेलवे स्टेशन पर स्थानीय लोगों ने ''संदेह'' के आधार पर रोक लिया। पुलिस द्वारा पहचान और दस्तावेजों की जांच के बाद सभी को आगे जाने की अनुमति दे दी गई। ये सभी मजदूर जम्मू-कश्मीर के डोडा और किश्तवाड़ जिलों के रहने वाले हैं। चंडीगढ़ से आई ट्रेन से उनके उतरते ही कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और अधिकारियों से उनकी पहचान की पुष्टि करने की मांग की। स्टेशन परिसर से सामने आए वीडियो में मजदूरों को सड़क किनारे बैठे देखा गया, जबकि कुछ लोग 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किला के पास हुए ब्लास्ट का हवाला देकर ''संदेहास्पद लोगों'' पर चिंता जता रहे थे। तिनसुकिया के एसएसपी मयंक कुमार ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि ये सभी कुशल मजदूर अरुणाचल प्रदेश में पावर ग्रिड प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए एक ठेकेदार के साथ जा रहे थे। उन्होंने बताया कि यहां वे आगे की यात्रा के लिए उतरे थे। लोगों ने संदेह जताया, जिसके बाद पुलिस ने उनकी पहचान और दस्तावेजों की जांच की। सबकुछ सही पाया गया और उन्हें जाने दिया गया। घटना ऐसे समय हुई है जब दिल्ली ब्लास्ट के बाद असम में तनाव का माहौल है। राज्य सरकार ने सोशल मीडिया पर ''आतंकवाद के समर्थन'' की आशंका वाले पोस्टों को लेकर कार्रवाई तेज कर दी है और अब तक 21 लोगों को असम में गिरफ्तार किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला अस्पताल जाकर नौगाम पुलिस स्टेशन विस्फोट के घायलों से मिले

श्रीनगर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को नौगाम पुलिस स्टेशन विस्फोट के घायल पीड़ितों से मिलने सिग्नस उजाला अस्पताल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि सरकार नागरिकों को स्पष्ट जवाब देने की जम्मेदारी लेती है कि पुलिस स्टेशन के अंदर इतना बड़ा विस्फोट कैसे हो सकता है। अस्पताल के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उमर ने कहा कि एक दर्जी, एक फोटोग्राफर और कई सरकारी कर्मचारियों की मौतों ने उन परिवारों को तबाह कर दिया है। पुलिस, एफएसएल कर्मचारी, सिविल सेवा कर्मी और कई लोगों ने अपनी कीमती जान गंवाई है। यह कैसे और क्यों हुआ, लोगों को जवाब मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से उन परिस्थितियों पर स्पष्टीकरण देने का आग्रह किया कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटक किन परिस्थितियों में रखा गया था। उमर ने सिग्नस उजाला अस्पताल के कर्मचारियों की प्रशंसा की।

उच्चतम न्यायालय का बढ़ते प्रदूषण स्तर से जुड़ी नई जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक स्वास्थ्य विशेषज्ञ द्वारा दायर उस नई जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया जिसमें देश में बढ़ते वायु प्रदूषण के स्तर के समाधान में 'लगातार और व्यवस्थागत विफलता' से निपटने के लिए तत्काल न्यायिक हस्तक्षेप का अनुरोध किया गया है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने समग्र स्वास्थ्य प्रशिक्षक ल्यूक क्रिस्टोफर कॉउटिन्हो को जनहित याचिका वापस लेने और पर्यावरणविद एम सी मेहता द्वारा प्रदूषण पर दायर एक लंबित मामले में हस्तक्षेप याचिका दायर करने की अनुमति दे दी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''याचिकाकर्ता एम सी मेहता मामले में लंबित कार्यवाही में हस्तक्षेप याचिका दायर करने के लिए याचिका वापस लेने की स्वतंत्रता चाहते हैं।'' अदालत प्रदूषण पर मुख्य याचिका पर बुधवार को सुनवाई करेगी। कॉउटिन्हो ने 24 अक्टूबर को याचिका दायर की थी और केंद्र, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), कई केंद्रीय मंत्रालयों, नीति आयोग और दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार और महाराष्ट्र की सरकारों को पक्षकार बनाया था।

एसआईआर की समीक्षा के लिए निर्वाचन आयोग की चार सदस्यीय टीम पश्चिम बंगाल पहुंची, महीने में दूसरी यात्रा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अर्थात एसआईआर की प्रगति की समीक्षा के लिए निर्वाचन आयोग की चार सदस्यीय केंद्रीय टीम मंगलवार सुबह कोलकाता पहुंची। इस माह आयोग की दूसरी राज्य-स्तरीय समीक्षा यात्रा है, जिससे संकेत मिलता है कि आयोग की विशेष निगाह इस पूरी संशोधन प्रक्रिया पर केंद्रित है।

केंद्रीय दल में उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती, आयोग के दो प्रमुख सचिव एस बी जोशी और मलय मालिक, तथा उप सचिव अभिनव अग्रवाल शामिल हैं। यह टीम मंगलवार से 21 नवम्बर तक राज्य में रहेगी और अपने दौरे में कोलकाता, दक्षिण चौबीस परगना, नदिया, मुर्शिदाबाद और मालदा जिलों में एसआईआर की स्थिति की समीक्षा करेगी। महीने की शुरुआत में हुई पहली यात्रा में टीम ने उत्तर बंगाल के तीन जिलों में प्रगति का जायजा लिया था। सूत्रों के मुताबिक, पश्चिम बंगाल में तीन चरणों वाली एसआईआर प्रक्रिया का पहला चरण 4 नवम्बर से शुरू हुआ था। मतदाताओं के बीच प्रपत्र वितरण लगभग पूरा हो चुका है। मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय से प्राप्त ताजा जानकारी के अनुसार बूथ स्तर अधिकारियों द्वारा संग्रहित प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है और अब तक एक करोड़ से अधिक प्रपत्र डिजिटल रूप में परिवर्तित किए जा चुके हैं। 27 अक्टूबर तक राज्य में मतदाताओं की कुल संख्या सात करोड़ 66 लाख 37 हजार 529 दर्ज की गई है।

पूरी एसआईआर प्रक्रिया अगले वर्ष मार्च तक पूर्ण होने की उम्मीद है। राज्य में पिछली बार यह विशेष संशोधन 2002 में किया गया था। उस समय की मतदाता सूची में जिन मतदाताओं या उनके माता-पिता का नाम दर्ज था उन्हें इस बार स्वतः वैध मतदाता माना जाएगा, जबकि जिनके नाम अथवा उनके माता-पिता के नाम 2002 की सूची में नहीं थे उन्हें अपनी प्रविष्टि बनाए रखने के लिए आयोग द्वारा निर्धारित ग्यारह में से किसी एक दस्तावेज का प्रस्तुतिकरण करना होगा।

इस व्यापक पुनरीक्षण प्रक्रिया पर निर्वाचन आयोग की लगातार निगरानी से स्पष्ट है कि मतदाता सूची को सटीक, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने को लेकर इस बार विशेष सतर्कता अपनाई जा रही है।

लोकपाल के आदेश के खिलाफ महुआ मोइत्रा की याचिका पर 21 नवंबर को सुनवायी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा की उस याचिका पर 21 नवंबर को सुनवाई करेगा जिसमें उन्होंने पैसे लेकर सवाल पूछने के कथित घोटाले में उनके खिलाफ आरोपपत्र दायर करने के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को लोकपाल द्वारा दी गई मंजूरी को चुनौती दी है। न्यायमूर्ति अनिल खेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने मामले को शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध किया ताकि वह लोकपाल के आदेश पर गौर कर सके, जिसे उसके समक्ष सीलबंद लिफाफे में रखा गया है। पैसे लेकर सवाल पूछने का कथित घोटाला इस आरोप से संबंधित है कि मोइत्रा ने एक व्यवसायी से नकद राशि और उपहार के बदले सदन में प्रश्न पूछे थे। मोइत्रा ने अपनी याचिका में भारत के लोकपाल के 12 नवंबर के आदेश को रद्द करने का अनुरोध किया है, जिसके तहत सीबीआई को मंजूरी दी गई थी। उन्होंने दावा किया कि यह आदेश त्रुटिपूर्ण, लोकपाल अधिनियम के प्रावधानों के दायरे से बाहर और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि लोकपाल अधिनियम के तहत अनुमोदन आदेश जारी करने से पहले उनसे दलील तो मांगी गईं, लेकिन बाद में उन्हें यह कहते हुए पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया कि वे समयपूर्व हैं और उन पर बाद के चरण में विचार किया जाएगा। इसमें कहा गया है कि मंजूरी आदेश ने लोकपाल की भूमिका को केवल ''जांच रिपोर्ट पर मुहर लगाने'' तक सीमित कर दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी आज कोयंबटूर में जैविक किसान सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे, सुरक्षा के कड़े प्रबंध

कोयंबटूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल 19 नवंबर को कोयंबटूर के कोडियायम में शुरू होने वाले जैविक किसान सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री बेहतर प्रदर्शन करने वाले 18 किसानों को इस अवसर पर पुरस्कृत करेंगे। सम्मेलन में सम्मेलन में 50,000 से ज्यादा जैविक किसानों के भाग लेने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं।

जैविक किसान सम्मेलन कल कोयंबटूर के कोडियायम में शुरू होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी बुधवार दोपहर 1.25 बजे आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी से निजी विमान से कोयंबटूर हवाई अड्डे पहुँचेंगे। वहां से सड़क मार्ग से रवाना होंगे और दोपहर 1.40 बजे कोडिसिया एरिना में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके बाद, दोपहर 3.15 बजे कोयंबटूर हवाई अड्डे के लिए रवाना होंगे और 3.30 बजे वापस कोयंबटूर हवाई अड्डे पहुँच कर दिल्ली के लिए रवाना होंगे। प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। पूरा कोडिसिया परिसर, जहाँ प्रधानमंत्री कार्यक्रम में शामिल होंगे, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के नियंत्रण में होगा। इसके अलावा, कोयंबटूर हवाई अड्डे पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। कोयंबटूर हवाई अड्डे की पार्किंग में वाहनों की पार्किंग पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया है।

इस संबंध में कोयंबटूर हवाई अड्डे के निदेशक संपत कुमार ने प्रेस बयान जारी कर कहा है कि आज सुबह 6 बजे से अगले दिन 19 तारीख को शाम 6 बजे तक हवाई अड्डे के टर्मिनल और वाई-जंक्शन क्षेत्रों के सामने वाहन पार्क न करें। इस तरह पार्क करने पर वाहन जब्त कर लिए जाएँगे और जुर्माना लगाया जाएगा। टर्मिनल के सामने 3 मिनट के भीतर यात्रियों को चढ़ाने-उतारने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। यात्रियों को मंगलवार और बुधवार तक पार्किंग में अपने वाहन पार्क करने से बचना चाहिए।

इसी तरह, कोयंबटूर शहर पुलिस विभाग ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा, ₹प्रधानमंत्री के दौरे को देखते हुए 19 नवंबर को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक यातायात में कई बदलाव किए गए हैं। सलेम, इरोड और तिरुप्पुर से आने वाली बसों और भारी वाहनों के हवाई अड्डे से गुजरने पर रोक लगा दी गई है। उन्हें ओंदीपुदुर और सिंगनल्लूर होते हुए शहर में प्रवेश करने की सलाह दी गई है। इसी तरह, 19 नवंबर को दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक वाहनों और टैक्सियों के हवाई अड्डे में प्रवेश पर रोक लगा दी गई है। हवाई अड्डे आने वालों से अनुरोध किया गया है कि वे दोपहर 12 बजे से पहले पहुँच जाएँ। दोपहर 12 बजे के बाद आने वालों को चित्रा जंक्शन पर उतर कर हवाई अड्डे तक पैदल जाने की सलाह दी गई है। इसके अलावा, उस दिन दोपहर 12 बजे से दोपहर 3 बजे तक जी.टी. नायडू फ्लाईओवर बंद रहेगा।

अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह को ई-सिम सप्लाई करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह को 400 से ज्यादा ई-सिम सप्लाई करने के आरोप में महाराष्ट्र की मुंबई पुलिस ने जलगांव के आरोपित को गिरफ्तार किया है। काला चौकी पुलिस स्टेशन की टीम ने 74 वर्षीय लालबाग निवासी की शिकायत की जाँच करते हुए यह गिरफ्तारी की है। काला चौकी पुलिस स्टेशन की टीम आरोपित से पूछताछ कर रही है। इस मामले की छानबीन कर रहे पुलिस अधिका.री ने मंगलवार को बताया कि 74 वर्षीय लालबाग निवासी विजय कुमार मालाकार डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 9.70 लाख रुपये गँवा दिए थे। इसी वजह से विजयकुमार मालाकार ने कालाचौकी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया था। इस मामले की छानबीन करने पर पता चला कि 14 और 15 अक्टूबर को, विजय कुमार को नासिक पुलिस बनकर ई-सिम से जनरेट किए गए कॉल आए, जिनमें दावा किया गया कि उनके खाते में एक आतंकवादी समूह से जुड़े 2.5 करोड़ रुपये जमा हो गए हैं और ₹डिजिटल गिरफ्तारी₹ की धमकी दी गई। इसके बाद विजय कुमार ने 15 अक्टूबर को 3.20 लाख रुपये और 17 अक्टूबर को 6.50 लाख रुपये एक्सिस बैंक के दो खातों में ट्रांसफर कर दिए। इस मामले की छानबीन के बाद पता चला कि यह रैकेट महाराष्ट्र में एक बड़े ई-सिम सप्लाई नेटवर्क से जुड़ा है ,जो कंबोडिया के साइबर अपराध गिरोहों से जुड़ा है। पुलिस ने जलगांव के 33 वर्षीय राहुल बागुल को डिजिटल गिरफ्तारी और साइबर धोखाधड़ी में शामिल ऑपरेटरों को 400 से ज्यादा भारत-आधारित ई-सिम बनाने और सप्लाई करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

भारत 2026 में करेगा ग्लोबल बिग कैट्स समिट का आयोजन: यादव

बेलेम। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तनमंत्री भूपेंद्र यादव ने ब्राजील के बेलेम में आयोजित संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन कॉप 30 में अंतरराष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) के उच्च स्तरीय मंत्री सत्र में भारत की प्रतिबद्धता दोहराते हुए घोषणा की कि भारत वर्ष 2026 में नई दिल्ली में ग्लोबल बिग कैट्स समिट की मेजबानी करेगा। इस कार्यक्रम में नेपाल के कृषि और पशुपालन मंत्री डॉ. मदन प्रसाद परियार भी शामिल हुए। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, भूपेंद्र यादव ने कहा कि बड़ी बिल्ली प्रजातियां केवल वन्यजीव नहीं, बल्कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखने वाले प्रमुख घटक हैं। उन्होंने कहा कि जहां बड़ी बिल्लियां सुरक्षित रहती हैं, वहां जंगल मजबूत होते हैं। घास भूमि पुनर्जीवित होती है। जल प्रणाली बेहतर काम करती है और प्राकृतिक कार्बन अधिक प्रभावी रूप से संरक्षित रहता है। इन प्रजातियों में गिरावट से पर्यावरणीय तंत्र कमजोर होता है। जलवायु परिवर्तन के प्रति सहनशीलता कम होती है और प्राकृतिक कार्बन भंडार प्रभावित होते हैं। उन्होंने 'बिग कैट परिदृश्य' को प्रकृति आधारित जलवायु समाधान करार देते हुए भविष्य की राष्ट्रीय निर्धारित योगदान (एनडीसी) में प्रकृति आधारित जलवायु कार्रवाई को प्रमुख स्थान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सात में से पांच बड़ी बिल्ली प्रजातियों का घर है और संरक्षण के क्षेत्र में लगातार उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। भारत ने तय समय से पहले बाघों की संख्या दोगुनी की है और एशियाई शेरों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। देशभर में बाघ, शेर, तेंदुआ और हिम तेंदुआ की नियमित गणना करते हुए भारत ने दुनिया के सबसे व्यापक वन्यजीव आंकड़ा तंत्रों में से एक विकसित किया है। साथ ही भारत ने संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार, गलियारों की सुरक्षा और समुदाय आधारित आजीविकाओं को बढ़ावा देकर संरक्षण कार्य और मजबूत किया है।

भूपेंद्र यादव ने आईबीसीए की बढ़ती सदस्यता का जिक्र करते हुए बताया कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच 'एक पृथ्वी, एक विश्व, एक भविष्य' पर आधारित है। अब तक 17 देश औपचारिक रूप से इसमें शामिल हो चुके हैं, जबकि 30 से अधिक देशों ने इसमें जुड़ने की इच्छा जताई है। भारत का लक्ष्य है कि बड़ी बिल्ली रेंज वाले सभी देश इस गठबंधन का हिस्सा बनें और जैव विविधता व जलवायु सुरक्षा को महत्व देने वाले राष्ट्र भी इसमें शामिल हों।

झारखंड के पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता के खिलाफ डोरंडा थाने में शिकायत दर्ज

रांची। झारखंड के पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता के खिलाफ डोरंडा थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। यह शिकायत झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राजीव कुमार ने की है। उन्होंने पूर्व डीजीपी पर अपने कार्यकाल के दौरान संगठित अपराध और भ्रष्टाचार में शामिल होने के सनसनीखेज आरोप लगाए हैं, जिसमें करोड़ों रुपये की अवैध उगाही और आपराधिक संगठनों के संचालन में संलिप्तता शामिल है। अधिवक्ता राजीव कुमार ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता ने झारखंड के कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा और अन्य के साथ मिलकर 'कोयलांचल शांति समिति नामक एक आपराधिक संगठन का गठन किया।

आरोप है कि डीजीपी पद पर रहते हुए अप्रत्यक्ष रूप से इस सबसे बड़े आपराधिक संगठन का संचालन किया और पूरे राज्य में कोयला व्यवसायी, ठेकेदार, ट्रांसपोर्टर, डॉक्टर और बिजनेसमैन से करोड़ों रुपये की अवैध वसूली की। शिकायत में कहा गया है कि झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये चौंकाने वाले खुलासे किए थे। मरांडी ने आरोप लगाया था कि कोयलांचल शांति समिति को पाकिस्तान से प्राप्त हथियार मुहैया कराए गए थे। अनुराग गुप्ता ने एक अपराधी के इशारे पर जेल में बंद अपराधी अमन साहू की तथाकथित मुठभेड़ करवाई थी। शिकायतकर्ता राजीव कुमार ने इस खुलासे को न सिर्फ झारखंड, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए एक गंभीर चिंता का विषय बताया है।

राजीव कुमार ने आरोप लगाया है कि अनुराग गुप्ता ने अपने पद का दुरुपयोग कर करोड़ों की उगाही की इसके अलावा, महानिदेशक (डीजी) एसीबी और सीआईडी के पद पर रहते हुए उन्होंने अपने चहेते डीएसपी और पुलिस पदाधिकारियों मोहम्मद परवेज आलम, मोहम्मद नेहाल और अनिमेष नाथानी की मदद से अपने विरोधियों के खिलाफ फर्जी एफआईआर दर्ज कराई। आरोप है कि उन्होंने कुछ सरकारी अफसर और इंजीनियरों को भी फर्जी शिकायतों पर नोटिस जारी करके उगाही की। इस भ्रष्ट कृत्य में एसीबी और सीआईडी के कई अन्य कर्मी भी उनके सहयोगी थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चीकृत क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला का किया लोकार्पण

अब प्रदेश को अपराध और अपराधी स्वीकार नहीं: सीएम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 के बाद का नया उत्तर प्रदेश अपराध को कतई स्वीकार नहीं करता है। यदि किसी ने यहां अपराध करने की जुर्रत की तो उसे हरहाल में उसकी कीमत भी चुकानी होगी। वह दौर खत्म हो गया जब पीड़ित तड़पता, भटकता था और अपराधी मौज-मस्ती करते थे। अब प्रदेश सरकार ने जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत साक्ष्य संकलन और फॉरेंसिक साइंस लैब्स (विधि विज्ञान प्रयोगशाला) के जरिए इसके प्रमाणन की ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित कर दी है कि कोई भी अपराधी बच नहीं पाएगा। सीएम योगी मंगलवार को बी से ए क्लास में उच्चीकृत क्षेत्रीय विधि विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल) गोरखपुर के नवीन उच्चीकृत भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। छह मंजिला हाईटेक नवीन भवन के निर्माण पर 72.78 करोड़ रुपये की लागत आई है। उच्चीकृत आरएफएसएल का फीता काटकर उद्घाटन करने और यहां की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आबादी के लिहाज से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के बावजूद 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सिर्फ चार फॉरेंसिक साइंस लैब थे। सरकार बनने के बाद उन्होंने यह तय किया कि हर कमिश्नरी में एक फॉरेंसिक साइंस लैब होनी चाहिए। इससे आठ वर्षों में इनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है। छह लैब निर्माणाधीन हैं। जल्द ही सभी कमिश्नरी में फॉरेंसिक साइंस लैब होंगे। इन लैब्स में हर प्रकार की फॉरेंसिक जांच होगी जो साक्ष्य को प्रमाणित कर अपराधियों को कठोर दंड दिलाने का आधार बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पहले साक्ष्य इकट्ठे होने पर भी अच्छी फॉरेंसिक साइंस लैब के अभाव में अपराधी बच जाते थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गत वर्ष जुलाई से तीन नए कानून (भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और भारतीय साक्ष्य संहिता 2023) लागू होने के बाद फॉरेंसिक साइंस लैब्स की उपयोगिता और बढ़ गई है। नए कानून में सात वर्ष से अधिक कारावास वाले अपराधों में फॉरेंसिक जांच को अनिवार्य कर दिया है। इन कानूनों के लागू होने से काफी पहले ही यूपी सरकार ने लैब्स स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी थी। सीएम योगी ने बताया कि गोरखपुर में अपग्रेडेड फॉरेंसिक साइंस लैब में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी जो सटीक जांच करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर की यह उच्चीकृत लैब उन चुनिंदा संस्थानों में शामिल होगी जहां बैलेस्टिक, नार्कोटिक्स, सेरोलॉजी, साइबर फॉरेंसिक, डीएनए प्रोफाइलिंग, डाक्यूमेंट विश्लेषण से लेकर सभी उन्नत फॉरेंसिक परीक्षण संभव होंगे। ऐसी क्षमता से पुलिस के कार्य में गति, पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इसे लागू करने प्रयासों के तहत आठ सालों में प्रदेश में 2 लाख 19 हजार पुलिस कार्मिकों की भर्ती की गई है। इसमें 60244 कार्मिकों की भर्ती हाल ही में संपन्न हुई है। उन्होंने कहा कि आठ वर्षों में यूपी में जितनी पुलिस भर्ती हुई है, उतनी कई राज्यों की कुल पुलिस फोर्स नहीं है। सीएम ने कहा कि 2017 में पुलिस ट्रेनिंग की कुल क्षमता 6000 की थी। तब 30000 भर्ती होने पर किराए पर ट्रेनिंग सेंटर लेने पड़े थे। आज प्रदेश में पुलिस ट्रेनिंग की क्षमता दस गुने से अधिक बढ़ चुकी है। अभी जितनी भर्ती हुई, सबको ट्रेनिंग राज्य के ही सेंटर्स से मिल रही है।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कमिश्नरेट सिस्टम की मांग 50 साल पुरानी थी। 2020 में उनकी सरकार ने इसे पूरा किया। प्रदेश के सात जिलों में कमिश्नरेट सिस्टम लागू हो चुका है। उन्होंने कहा इसके साथ ही सरकार ने 17 नगर निगम और नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा को सेफ सिटी बनाने का कार्य किया है। 13 लाख से अधिक सीसी कैमरे लगाकर महानगरों को सुरक्षित किया गया है। सीसी कैमरों की उपयोगिता समझाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निगरानी प्रणाली से घटना के कुछ ही घंटे में अपराधी शिकंजे में होगा। वह लंगड़ाते दिखेगा। सबको सुरक्षा और सबको सम्मान के भाव से काम करने वाले आज के यूपी में अपराध बर्दाश्त नहीं किया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों ने पीएसी की बटालियन को समाप्त करने की कोशिश की। उनकी सरकार ने इसे बचाया है। इसके साथ ही एसएसएफ, एसडीआरएफ के साथ पीएसी की तीन महिला बटालियन स्थापित की। इसमें गोरखपुर में पीएसी की महिला बटालियन वीरांगना झलकारी बाई, लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी और बदायूं में वीरांगना अवंतीबाई लोधी के नाम पर स्थापित हो रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने पांच जिलों बलरामपुर, जालौन, मिर्जापुर, शामली और बिजनौर में नई पीएसी बटालियन बनाने का भी कार्य किया।

दस जिलों में अत्याधुनिक पुलिस लाइन बनाने के लिए धनराशि दी। उच्चीकृत आरएफएसएल के लोकार्पण समारोह को सांसद रविकिशन ने भी संबोधित किया। स्वागत संबोधन में एडीजी तकनीकी सेवाएं नवीन अरोड़ा ने पुलिस महकमे में तकनीकी उन्नयन का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए मुख्यमंत्री को पुलिसिंग में नवोन्मेष का मार्गदर्शक बताया। आभार ज्ञापन डीआईजी तकनीकी सेवाएं आनंद कुलकर्णी ने किया। इस अवसर पर विधायक फतेह बहादुर सिंह, राजेश त्रिपाठी, श्रीराम चौहान, विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, डॉ. विमलेश पासवान, प्रदीप शुक्ला, सरवन निषाद, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी, महानगर संयोजक राजेश गुप्ता सहित प्रशासन एवं पुलिस के उच्चाधिकारी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने भरा एसआईआर प्रक्रिया का फॉर्म
जागरूक और जिम्मेदार नागरिक होने की दी प्रेरणा

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिक जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक चेतना का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के बैठक कक्ष में मतदाता सूची के एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया का फॉर्म भरकर इसे पूर्ण किया। मुख्यमंत्री गोरखपुर शहर विधानसभा क्षेत्र के झूलेलाल मंदिर के पास स्थित कन्या प्राथमिक विद्यालय मतदान केंद्र के बूथ संख्या 223 में पंजीकृत मतदाता हैं। बता दें कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक एसआईआर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को बीएलओ गोरखनाथ मंदिर पहुंचे और मुख्यमंत्री को एसआईआर फॉर्म उपलब्ध कराया, जिसे मुख्यमंत्री ने भरकर उन्हें सौंप दिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मीणा, तहसीलदार सदर ज्ञान प्रताप सिंह, भाजपा महानगर संयोजक राजेश गुप्ता, नगर निगम बोर्ड के उपसभापति एवं पार्षद पवन त्रिपाठी तथा जीडीए बोर्ड सदस्य दुर्गेश बजाज उपस्थित रहे।

पीड़ितों की सहायता में लापरवाही पर होगी कार्रवाई : मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि पुलिस से जुड़े मामलों में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। पीड़ितों की मदद में विलंब और लापरवाही कतई नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं के समाधान में किसी तरह की लापरवाही हुई तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई भी तय है। किसी पीड़ित की समस्या के समाधान में अगर कहीं भी कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो संबंधित की जवाबदेही तय की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 300 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। योगी ने सभी को आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है।

हर समस्या का वह प्रभावी निस्तारण कराएंगे। इसे लेकर उन्होंने प्रशासन व पुलिस के अधिकारियों को मौके पर ही दो टूक समझाया कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध, निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें। कुछ प्रकरणों पर उन्होंने अफसरों को निर्देशित किया कि यह भी पता लगाएं कि यदि किसी को प्रशासन का सहयोग नहीं मिला है तो ऐसा क्यों और किन कारणों से हुआ। हर पीड़ित की त्वरित मदद की जाए। उन्होंने जमीन कब्जाने की शिकायतों पर विधि सम्मत कठोर कदम उठाने का निर्देश दिया। हर बार की तरह इस बार भी जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। इस पर मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों से कहा कि जल्द से जल्द अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध करा दें। इलाज के लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त मदद की जाएगी। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को प्यार-दुलारकर मुख्यमंत्री योगी ने उन्हें चॉकलेट दिया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही।

गुरु गोरखनाथ का दर्शन पूजन करने तथा अपने गुरुदेव ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की प्रतिमा समक्ष शीश झुकाने के बाद वह मंदिर परिसर के भ्रमण पर निकले। मंदिर की गोशाला में पहुंचकर गोसेवा की। गायों और गोवंश को स्नेहिल भाव से गुड़-रोटी खिलाया। गोशाला में मुख्यमंत्री योगी के पहुंचने पर प्रायः एक मोर भी उनके पास आ जाता है। मुख्यमंत्री ने उसे भी दुलारा और अपने हाथों से रोटी खिलाया।

संक्षिप्त खबरें

शादी समारोह में कॉफी मशीन फटने से एक व्यक्ति की मौत, एक जख्मी

शाहजहांपुर। जिले के मदनापुर इलाके में एक विवाह समारोह के दौरान कॉफी मशीन फटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा एक अन्य घायल हो गया। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) देवेंद्र कुमार ने मंगलवार को बताया कि मदनापुर थाना क्षेत्र के बरुआ पेहना गांव में अंकित नामक व्यक्ति की बहन की बारात सोमवार को फर्रुखाबाद के शमशाबाद से आई थी। इसी शादी समारोह में सुनील नामक व्यक्ति कॉफी बना रहा था। देर रात उसकी कॉफी मशीन तेज आवाज के साथ फट गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कॉफी बना रहे 30 वर्षीय सुनील की मौत हो गई जबकि पास में ही खड़ा एक अन्य व्यक्ति सचिन गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

पुजारी की गला घोंटकर हत्या, मंदिर प्रांगण के कमरे में मिला शव

मुरादाबाद। कोहरे की वजह से तीन माह के लिए मुरादाबाद रेल मंडल से गुजरने वाली 16 ट्रेने निरस्त रहेंगी। इसमें जनसेवा, गरीबरथ, उपासना एक्सप्रेस शामिल हैं। आठ ट्रेनों के फेरे घटाए हैं। अगले सप्ताह कुछ और ट्रेनों के लिए रद्दीकरण आदेश जारी होगा। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि एक दिसंबर से 28 फरवरी तक (12207-12208) काठगोदाम-जम्मूतवी गरीबरथ एक्सप्रेस, (12209-12210) काठगोदाम-कानपुर गरीबरथ एक्सप्रेस, (14003-14004) मालदा टाउन-नई दिल्ली-मालदा टाउन एक्सप्रेस, (14523-14524) बरौनी-अंबाला-बरौनी एक्सप्रेस, (14605-14606) योगनगरी ऋषिकेश-जम्मूतवी एक्सप्रेस, (14615-14616) लालकुंआ-अमृतसर-लालकुंआ एक्सप्रेस, (14617-14618) जनसेवा एक्सप्रेस, (12327-12328) उपासना एक्सप्रेस निरस्त रहेंगी। इस दौरान मुरादाबाद से सीतापुर के बीच ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग का कार्य पूरा किया जाएगा। रेलवे का प्लान है कि नए वित्तीय वर्ष में मुरादाबाद मंडल में ज्यादा ट्रेनें चलाई और रफ्तार बढ़ाई जा सके। सीनियर डीसीएम ने आगे बताया कि (13019-13020) हावड़ा-काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस, (12317-12318) कोलकाता-अमृतसर-कोलकाता एक्सप्रेस, (12357-12358) दुर्गियाना एक्सप्रेस (15909-15910) अवध असम एक्सप्रेस के फेरे घटाए गए हैं

अवैध रूप से भारत में रहने पर चाइनीज महिला को आठ वर्ष का कारावास

बहराइच। जिला एवं सत्र न्यायालय ने वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय सीमा इंडो-नेपाल बार्डर पर अवैध रूप से बिना वीजा के भारतीय सीमा में घुसने के मामले में गिरफ्तार चीन की एक महिला को आठ साल की सजा सुनाई है। इस मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय बहराइच के सहायक शासकीय अधिवक्ता प्रमोद कुमार सिंह ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि जिले की तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कविता निगम ने बिना वैध वीजा के भारत में घुसपैठ का दोषसिद्ध होने पर चीनी की महिला ली-जिनमेई उर्फ ली-शिनमेई को विदेश मामले अधिनियम 14ए के तहत आठ वर्ष के कारावास की गंभीर सजा सुनाई है। उन्होंने बताया कि शिनमेई पर कोर्ट ने पचास हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माने की राशि अदा न किए जाने पर चीनी महिला को छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। उन्होंने बताया कि रूपईडीहा थाना बार्डर के आउट पोस्ट पर तैनात एसएसबी के जवानों ने 2 दिसंबर 2023 को भारत से बुद्धिस्ट पोशाक में नेपाल जा रही रिपब्लिक आफ चायना के सेमडांग प्रदेश निवासनी ली-जिनमेई उर्फ ली-शिनमेई (45) को बिना वीजा भारत में अवैध घुसपैठ के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से रिपब्लिक आफ चायना का पासपोर्ट, नेपाल का वीजा, मोबाइल, कपड़े, मसाज मशीन आदि बरामद हुए थे।

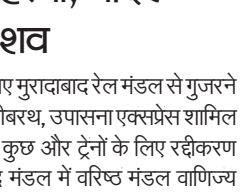

तेज रफ्तार डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलटी, मासूम समेत तीन की मौत 25 घायल

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में अरौल थाना क्षेत्र के आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे पर आनंद विहार दिल्ली से बिहार जा रही एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना में पांच साल के मासूम समेत तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 25 लोग घायल हैं। जिनमें 10 की हालत गंभीर बनी हुई है। बस में कुल 45 यात्री सवार थे। घटना के बाद बस चालक और परिचालक मौके से फरार हो गए। यात्रियों ने बताया कि वह सभी एक निजी डबल डेकर बस में सवार होकर आनंद विहार दिल्ली से बिहार के सिवान जा रहे थे।

मंगलवार तड़के आगरा लखनऊ एक्सप्रेस पर किलोमीटर संख्या 216 के पास पहुंचते ही बस चालक को अचानक झपकी आ गई। जिस वजह से बस डिवाइडर पर चढ़ गई और फिर

अचानक पलट गई। घटना के पास चारों तरफ चीख पुकार मच गई और मौका पाकर चालक व परिचालक फरार हो गए। घटना इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। बस के टूटे हुए कांच सैकड़ो मीटर दूरी तक फैल गए। इसके अलावा बस की रफ्तार ज्यादा होने की वजह से करीब 40 से 50 फीट तक घिसकती हुई चली गई। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकलवाकर सामुदायिक चिकित्सा केंद्र पहुंचाया। जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें हैलट अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

घटना में अनुराग (5) पुत्र अजय निवासी बिहार, नसीम आलम (20) निवासी बिहार, शशि कुमार (26) निवासी पश्चिम बंगाल की मौत हो गयी। जबकि अनुराग की मां को काफी गहरी चोटें आई है। जिनका इलाज हैलट अस्पताल में किया जा रहा है। सहायक पुलिस आयुक्त मंजय सिंह ने बताया कि अरौल स्थित आगरा लखनऊ एक्सप्रेसवे आर्यंत्रित बस पलटी थी। घटना में 25 यात्री घायल हुए थे। जिनमें तीन की मौत हो गई है। मृतकों को शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को सूचना दे दी गई है। तो वहीं घायलों का इलाज किया जा रहा है।

राजस्व टीम पर हमला दो व्यक्ति हिरासत में

प्रयागराज। जिले के गंगा नगर में बहरिया थाना अंतर्गत ग्राम करनाईपुर में एसडीएम (फूलपुर) के आदेश पर पट्टे की जमीन से अवैध कब्जा खाली कराने गई राजस्व टीम पर हमला किए जाने के मामले में पुलिस ने 13 नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसीपी (फूलपुर) विवेक यादव ने बताया कि एसडीएम फूलपुर के बेदखली आदेश का अनुपालन करने राजस्व की टीम सोमवार शाम बहरिया थाना अंतर्गत ग्राम करनाईपुर गई थी जहां जमीन पर पहले से काबिज कुछ लोगों ने राजस्व टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि इस हमले में नायब तहसीलदार राजीव शुक्ला के सिर में चोट लगी है। हालांकि उनकी स्थिति अब सामान्य है। राजस्व निरीक्षक की तहरीर पर थाना बहरिया में 13 नामजद और अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है।

पराली जलाने के मामले में लेखपाल निलंबित; चार उप जिलाधिकारी, 12 थाना प्रभारियों को नोटिस

गोरखपुर। महराजगंज जिले में पराली जलाने की बढ़ती घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने एक लेखपाल को निलंबित और स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए चार उप जिलाधिकारियों और 12 थाना प्रभारियों को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है।

अधिकारियों के मुताबिक सोमवार को जिले में पराली जलाने के 31 नए मामले सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई है। डीएम सतेंद्र कुमार शर्मा ने मंगलवार को बताया कि पराली जलाने की घटनाओं की निगरानी में लापरवाही और ऐसी घटनाओं को रोकने में विफलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि लापरवाही बरतने के आरोप में चुंगी क्षेत्र के लेखपाल अरुण कुमार को निलंबित कर दिया गया है जबकि राजस्व, पुलिस, पंचायत और कृषि विभाग के अधिकारियों से उनकी चूक के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। शर्मा ने बताया कि श्यामदेउरवा, घुघली, सदर, कोल्हुई, पनियरा, चौक, निचलौल, नौतनवा, बृजमनगंज और बघौचघाट के उप जिलाधिकारियों और थानाध्यक्षों को भी नोटिस जारी कर उन्हें नियमों का बेहतर पालन करने की चेतावनी दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में इस सत्र में पराली जलाने के 285 मामले दर्ज किये गये हैं। उन्होंने बताया कि पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम के तहत कुल 3.4 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। प्रशासन नियमों का उल्लंघन करने वाली कंबाइन हार्वेस्टर मशीनों को भी जब्त करने जा रहा है। जिलाधिकारी शर्मा ने किसानों से पराली नहीं जलाने और अवशेष प्रबंधन के लिए सरकार द्वारा प्रदान की गई मशीनरी और योजनाओं के इस्तेमाल का आग्रह किया है।

प्रसव को आई महिला की सीएचसी में मौत, परिजनों ने हंगामा काटा

फर्रुखाबाद। कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के सीएचसी में प्रसव को आई महिला की मंगलवार को मौत हो गई। इस जानकारी पर मृतक महिला के परिजनों ने हंगामा काटा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजते हुए कार्रवाई शुरू कर दी है।

कायमगंज कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गऊ तोला निवासी महिला मुशाहीन को प्रसव पीड़ा होने पर सोमवार की शाम को कायमगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां आज डॉक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

प्रसूता की मौत की जानकारी मिलते ही परिजन भड़क गए और हंगामा शुरू कर दिया। घटना की जानकारी पर कायमगंज के तहसीलदार और थाना कायमगंज पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच पड़ताल की। वहीं थाना पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की मां शाहीन ने बताया कि उनकी बेटी मुशाहीन ने सोमवार की शाम को खाना बनाया, उसी दौरान उसके प्रसव पीड़ा होने लगी। उसका जेठ उसे लेकर सीएचसी कायमगंज अस्पताल लेकर पहुंचा था, जहां आज डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉक्टर अम्बरीश कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर गुण दोष के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सफाई कर्मियों को कपड़े में मिले जिंदा कारतूस और खोखा, जांच में जुटी पुलिस

हाथरस। कोतवाली क्षेत्र स्थित कस्बा हसायन में स्थापित पंडित दीनदयाल उपाध्याय की मूर्ति के पास मंगलवार को सफाई कर्मियों को एक कपड़े में जिंदा कारतूस और खोखा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। सहपऊ थाना प्रभारी गिरीश चन्द्र गौतम ने बताया कि नगर पंचायत के सफाई सुपरवाइजर विनीत कुमार बाल्मीकि के मुताबिक रोजाना की तरह आज सुबह कर्मचारी मूर्ति के पास सफाई कर रहे थे। इसी दौरान एक कपड़े में दो खोखा और आठ जिंदा कारतूस मिले हैं, जिसे पुलिस को सौंपा दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आखिर ये कारतूस मूर्ति के पास किसने और किस मकसद से रखे हैं। इन अवैध कारतूसों को रखने वाले संदिग्धों का उद्देश्य क्या हैं इन सभी सवालों के जवाब ढूंढने के लिए पुलिस सीसीटीवी खंगाल रही है।

खदान हादसा : एक और शव बरामद, मृतक संख्या सात हुई

सोनभद्र। बिल्ली मारकुंडी खदान हादसे में मारे गये एक और व्यक्ति का शव बरामद होने के साथ इस घटना में मारे गये लोगों की संख्या बढ़कर सात हो गयी है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि मलबे से एक और शव बरामद किया गया है।

उसकी पहचान 32 वर्षीय गुलाब खरवार के रूप में हुई। राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड़ ने बताया कि इसके साथ ही इस घटना में मरने वालों की संख्या सात हो गयी है। घटनास्थल पर अब भी बचाव कार्य जारी है। गौरतलब है कि सोमवार को पांच शव बरामद किये गये थे। सोनभद्र जिले के ओबरा थाना क्षेत्र स्थित बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र में शनिवार शाम को खदान में पहाड़ी का एक भाग दरकने से एक खदान धंस गयी थी।

घटना के बाद रविवार को मलबे से राजू सिंह (30) नामक मजदूर का शव बरामद किया गया था। सोनभद्र के एसपी अभिषेक वर्मा ने बताया कि शनिवार को बिल्ली मारकुंडी स्थित 'कृष्णा माइनिंग वर्क्स' की खदान में पहाड़ी का एक भाग दरकने से कई मजदूर मलबे में दब गए थे। इस मामले में कृष्णा माइनिंग वर्क्स के मालिक समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों का गठन कर उनकी तलाश की जा रही है।

ध्वजारोहण रामराज्य परिकल्पना की स्थापना, केसरिया ध्वज पर अंकित सूर्य के मध्य 'ऊं' श्रीराम के वंश का प्रतीक: चम्पत राय

श्रीराम मंदिर में 25 नवंबर को होगा ध्वजारोहण समारोह

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में ध्वजारोहण को राम राज्य की परिकल्पना, निर्भयता के निर्माण के वातावरण का सृजन और राम सब के और सब के राम की भावना की स्थापना बताया। मंगलवार को मंदिर परिसर में पत्रकारों के प्रश्नों के उत्तर देते हुए तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महामंत्री चम्पत राय ने मंदिरके ध्वज पर अंकित प्रतीकों के सम्बन्ध में भी विस्तार से बताया।

महामंत्री ने बताया कि ध्वज का केसरिया रंग ज्वाला और त्याग का प्रतीक है। इसे 161 फिट ऊंचे शिखर पर बाहर तीस फिट ध्वजदंड (कुल42 फिट)

है। धरती से 191 फिट की ऊंचाई पर इसे चढ़ाया जाना है। ट्रस्ट के महासचिव राय ने बताया कि केसरिया ध्वज पर सूर्य के मध्य 'ऊं' अंकित है। सूर्य प्रभु श्रीराम के वंश का प्रतीक और 'ऊं' परमात्मा का प्रथम नामाक्षर है। इसके अतिरिक्त कोविदार वृक्ष अयोध्या के राजवंश की सत्ता का चिह्न रहा है, जो वाल्मीकि रामायण और हरिवंश पुराण में वर्णित है। कोविदार के बारे में ज्ञानीजन बताते हैं कि तत्कालीन कश्यप ऋषि ने पारिजात और मंदार के संयोग से तैयार किया था। मान्यता है कि यह संसार का पहला हाइब्रिड प्लान्ट था। यह भी उल्लेख मिलता है कि इसी वृक्ष पर चढ़कर लक्ष्मण ने भरत को सेना के साथ वन में आते देखा था। उन्होंने बताया कि ध्वजारोहण कार्यक्रम के लिए आमंत्रित अतिथियों में तीन हजार अयोध्या जनपद के हैं।

शेष प्रदेश के अन्य जिलों से हैं। उल्लेखनीय है कि भगवान राम की नगरी अयोध्या में 25 नवंबर को होने वाले ध्वजारोहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा देश-विदेश की कई प्रमुख हस्तियां शामिल होने की संभावना है। ध्वजारोहण समारोह की तैयारियों को तेजी से अंतिम रूप दिया जा रहा है।

भारत में होने वाले डब्ल्यूटीएल में भाग लेंगे मेदवेदेव, रयबाकिना और बोपन्ना

बेंगलुरु। पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यहां 17 दिसंबर से होने वाले विश्व टेनिस लीग (डब्ल्यूटीएल) में भारतीय प्रशंसकों के सामने अपना जलवा दिखाएंगे। इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2022 में की गई थी और पहली बार भारत में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में किया जाता रहा है।

दानिल मेदवेदेव और एलेना रयबाकिना के अलावा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस, फ्रांसीसी स्टार गेल मोनफिल्स और पाउला बडोसा भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। हाल ही में शीर्ष स्तर के टेनिस से संन्यास लेने वाले रोहन बोपन्ना, सुमित नागल, युकी भांबरी, अंकिता रैना, श्रीवल्ली भामिदीपती और माया रेवती लीग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। रयबाकिना ने कहा, ''मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ यहां अपनी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हूं। मैं अपनी टीम के साथ कोर्ट पर हर पल का आनंद लेने के लिए तैयार हूं।'' डब्ल्यूटीएल में चार टीमें राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेलेंगी। प्रत्येक मुकाबले में पुरुष एकल, महिला एकल और दो युगल मैच खेले जाएंगे। राउंड रोबिन के बाद शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें फाइनल में पहुंचेंगी।

नाओमी ओसाका ने ऑकलैंड डब्ल्यूटीए प्रतियोगिता से अपना नाम वापस लिया

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। नाओमी ओसाका ने जनवरी में न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में होने वाले एएसबी क्लासिक डब्ल्यूटीए टेनिस प्रतियोगिता से अपना नाम वापस ले लिया है और इसके बजाय वह जापान के लिए यूनाइटेड कप में खेलेंगी। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ओसाका ने सितंबर में ऑकलैंड में 2026 का अपना सत्र शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थी, जहां वह इस वर्ष की शुरुआत में फाइनल में पहुंची थी। उन्होंने ऑकलैंड टूर्नामेंट के निदेशक निकोलस लैम्परिन को बताया कि उन्होंने अपना मन बदल लिया है और अब वह ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए अपनी तैयारी शुरू करेंगी। ओसाका दो से 11 जनवरी तक पर्थ में होने वाले यूनाइटेड कप के लिए शिंतारो मोचिजुकी के साथ जापान की टीम में शामिल होंगी। जापान को ग्रुप चरण में ब्रिटेन और यूनान से खेलना है। वर्ष का पहला ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन 18 जनवरी से मेलबर्न पार्क में शुरू होगा।

जर्मनी और नीदरलैंड ने विश्व कप फुटबॉल में जगह बनाई

बर्लिन। जर्मनी और नीदरलैंड ने बड़ी जीत दर्ज करके अगले साल होने वाले विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में जगह बना ली है। जर्मनी ने सोमवार को खेले गए मैच में स्लोवाकिया को 6-0 से हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर विश्व कप के लिए हमेशा क्वालीफाई करने का अपना गौरवपूर्ण रिकॉर्ड कायम रखा। चार बार की चैंपियन जर्मनी की टीम 23वें विश्व कप में 21वीं बार फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर अपनी चुनौती पेश करेगी। जर्मनी ने 1930 में खेले गए पहले विश्व कप में भाग नहीं दिया था जबकि 1950 में उसे विश्व कप में भाग लेने की अनुमति नहीं दी गई थी।

जर्मनी का पुराना प्रतिद्वंद्वी नीदरलैंड भी अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहकर अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले टूर्नामेंट में जगह बनाने में सफल रहा। नीदरलैंड की टीम ने लिथुआनिया पर 4-0 की जीत के साथ अपराजित रिकॉर्ड के साथ क्वालीफाई किया और वह अपने ग्रुप में पोलैंड से आगे रही। स्लोवाकिया और पोलैंड के पास अभी विश्व कप में जगह बनाने का मौका है। इसके लिए उन्हें प्लेऑफ में खेलना होगा जिसका ड्रॉ गुरुवार को होगा। जर्मनी और नीदरलैंड के अलावा इंग्लैंड, फ्रांस, पुर्तगाल, क्रोएशिया और नॉर्वे यूरोप से विश्व कप में जगह बनाने वाली अन्य टीम हैं। स्लोवाकिया ने ग्रुप ए के पहले दौर के मैच में जर्मनी को 2-0 से हरा दिया था। यह विश्व कप क्वालीफाइंग में जर्मनों की केवल तीसरी हार थी, लेकिन इसके बाद उसने लगातार पांच मैच जीते और इसका समापन लीपजिग में स्लोवाकिया पर बड़ी जीत से किया। इस तरह से उसने शुरुआती मैच में मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया।

जर्मनी को इस मैच में केवल ड्रॉ की जरूरत थी और वह स्लोवाकिया से तीन अंक आगे रहा। जर्मनी की टीम ने 1954, 1974, 1990 और 2014 विश्व कप जीता था। नीदरलैंड की टीम अभी तक विश्व कप नहीं जीत पाई है। वह 1974, 1978 और 2010 में उपविजेता रही थी।

ट्रम्प प्रशासन का बड़ा ऐलान, फीफा विश्व कप टिकट धारकों को वीज़ा इंटरव्यू में मिलेगी प्राथमिकता

नई दिल्ली। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बीच हुई बैठक के बाद फीफा विश्व कप 2026 के टिकट धारकों को वीज़ा इंटरव्यू में प्राथमिकता देने की घोषणा की गई है। फीफा के अनुसार, इस उद्देश्य के लिए फीफा प्रायोरिटी अप्वॉइंटमेंट शेड्यूलिंग सिस्टम (फीफा पास) शुरू किया गया है, ताकि वीज़ा प्रक्रिया को आसान और तेज बनाया जा सके

ट्रम्प प्रशासन द्वारा 2025 में लागू की गई कड़ी आव्रजन नीतियों के बाद यह सवाल उठ रहे थे कि इतने बड़े खेल आयोजन को उत्तर अमेरिका में आयोजित करना कितना उचित होगा। हालांकि, अब यह नई पहल अंतरराष्ट्रीय दर्शकों की उपस्थिति बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकती है। फीफा विश्व कप 2026 को अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको द्वारा 16 शहरों में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। इस बार टूर्नामेंट में टीमों की संख्या बढ़ाकर 48 कर दी गई है। इन्फेंटिनो ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि अमेरिका दुनिया भर के प्रशंसकों का अभूतपूर्व स्तर पर स्वागत करने के लिए तैयार है, और हम यह सुनिश्चित करने की तैयारी कर रहे हैं कि फुटबॉल दुनिया को एकजुट करे। ीज़ा संबंधी चिंताओं के बावजूद टिकटों की मांग मजबूत बनी हुई है। फीफा के अक्टूबर चरण में अब तक 10 लाख से अधिक टिकट बिक चुके हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका प्राथमिकता आधारित अपॉइंटमेंट दे रहा है ताकि विश्व कप के प्रशंसक जल्द से जल्द वीज़ा इंटरव्यू पूरा कर सकें। टूर्नामेंट नजदीक है, इसलिए आवेदन करने का सही समय है। हम इतिहास का सबसे सुरक्षित और शानदार विश्व कप कराने के लिए तैयार हैं

बॉडीबिल्डर वंदना ने इंडोनेशिया में बढ़ाया तिरंगे का मान, जुनून और जज्बे से जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली। भारत की बुलंद आवाज बनकर बॉडीबिल्डर वंदना ठाकुर इंडोनेशिया से गोल्ड लेकर लौटी हैं। यह सिर्फ पदक नहीं, बल्कि इसमें संदेश छिपा है कि भारत की बेटियां जब ठान लेती हैं, तो इतिहास का रुख भी बदल देती हैं। रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया के बाटम शहर रियाउ प्रांत में 11 से 17 नवंबर तक आयोजित 16वीं वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग और फिजिक स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप में वंदना ठाकुर ने दुनिया भर के दिग्गज बॉडीबिल्डर्स के बीच भारत का प्रतिनिधित्व किया।

वंदना ने अकेले ही पूरे राष्ट्र की उम्मीदों का भार अपने कंधों पर उठाकर उसे स्वर्णिम अंजाम तक पहुंचाया। स्वर्णिम मंच तक पहुंचने का उनका सफर कठिन था, लेकिन वंदना एक ही बात पर अड़ी हुई थीं ₹रार नहीं ठानूंगी, हार नहीं मानूंगी।₹ सुबह की पहली किरण से पहले उठना, घंटों की कड़ी ट्रेनिंग, चोटों से लड़ना और फिर भी मुस्कुराते हुए आगे बढ़ना वन्दना की यही कहानी उन्हें आज भारत का स्वर्णिम गर्व बनाती है। यह जीत सिर्फ उनके मजबूत शरीर की नहीं, बल्कि उनके अटूट मनोबल, आत्मअनुशासन और देश के प्रति निःस्वार्थ और बेबाक प्रेम की जीत है।

जीत को लेकर भावुक वंदना ठाकुर ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, ₹जब मैं मंच पर गई, तो मेरे दिमाग में सिर्फ एक ही बात थी, तिरंगे के लिए जीतना। भारत का तिरंगा इस मंच पर लहराना है, यही मेरा लक्ष्य था और इसे सच करने के लिए जो भी करना पड़े, उसके लिए मैं तैयार थी। मैंने कई महीनों पहले से ही देश के लिए गोल्ड लाने की जिद के साथ तैयारी कर दी थी। मैं हर महिला से, हर लड़की से यही कहना चाहती हूं कि कुछ भी हासिल करने की ललक यदि मन में हो, तो उसे पूरा करने की जिद पर अड़ जाओ। तुम्हें जीतने से कोई भी नहीं रोक सकता, खुद तुम भी नहीं। यह गोल्ड मेडल सिर्फ मेरा नहीं, बल्कि हर उस महिला का है, जिसे कभी बताया गया था कि वह कुछ नहीं कर सकती, लेकिन फिर भी उसने कर दिखाया। मैं चाहती हूं कि यह मेडल भारत की हर एक बेटी के सपनों में सुनहरा रंग भरे और उन्हें सबसे आगे रहने की प्रेरणा दे।

वंदना ठाकुर की यह ऐतिहासिक उपलब्धि इसलिए भी विशेष है, क्योंकि वे भारत की पहली महिला बॉडीबिल्डर बन गई हैं, जिन्होंने महिला बॉडीबिल्डिंग कैटेगरी में भारत के लिए गोल्ड जीतकर दुनिया भर में देश का नाम रोशन किया है। ऐसे में, वंदना आज सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि नई पीढ़ी की प्रेरणा, उम्मीद और साहस की प्रतीक बन चुकी हैं। सिल्वर और गोल्ड की कहानी से परे, असल में वंदना जैसी महिलाएं ही भारत का गोल्ड हैं।

पूंजी बाजार के प्रतिनिधियों ने आगामी बजट में लेनदेन कर में कटौती का किया आह्वान

नई दिल्ली। पूंजी बाजार के प्रतिनिधियों ने आगामी बजट में लेनदेन कर में कटौती और वित्तीय क्षेत्र को मजबूत करने के उपायों की मंगलवार को वकालत की। सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ बजट पूर्व बैठक में पूंजी बाजार की दक्षता में सुधार और पूंजी बाजार समावेश बढ़ाने के बारे में भी सुझाव दिए गए। सूत्रों ने कहा कि क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने वायदा-विकल्प की तुलना में नकद बाजार कारोबार पर कम प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) की मांग की।

यह वित्त मंत्री और बीएसई, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज, एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया, एसोसिएशन ऑफ रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स और कमोडिटी पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया सहित पूंजी बाजार के प्रतिनिधियों के बीच चौथी बजट-पूर्व बैठक थी। पूंजी बाजार ने वित्त वर्ष 2024-25 में 14.6 लाख करोड़ रुपये के संसाधन जुटाने में मदद की जो उससे गत वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वित्तीय साधनों की एक विस्तृत श्रृंखला..शेयर एवं ऋण से लेकर रियल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रीट) और अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) तक के इस्तेमाल में कॉरपोरेट तथा बुनियादी ढांचा संस्थाओं की विकसित व अनुकूल वित्तपोषण रणनीतियों का भी उल्लेख किया गया। शेयर एवं ऋण खंडों का योगदान केवल 14.2 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पूंजी निर्माण में सहायता करने तथा आर्थिक वृद्धि को गति देने में उनकी केंद्रीय भूमिका की पुष्टि करता है।

बैठक में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, आर्थिक मामलों के विभाग की सचिव अनुराधा ठाकुर, मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन और वित्त मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह बजट पूर्व परामर्श की श्रृंखला में चौथा परामर्श है जिसे वित्त मंत्रालय बजट 2026-27 को अंतिम रूप देने से पहले प्रतिवर्ष आयोजित करता है। वित्त मंत्री ने अर्थशास्त्रियों, कृषि क्षेत्र के प्रमुख प्रतिनिधियों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के दिग्गजों से क्रमशः पहले, दूसरे एवं तीसरे दौर की चर्चा के तहत पिछले सप्ताह मुलाकात की थी।

सीतारमण आगामी बजट के दौरान भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं तथा भारत से आयातित वस्तुओं पर अमेरिका के 50 प्रतिशत के शुल्क की पृष्ठभूमि में वार्षिक लेखा-जोखा पेश करेंगी। वह संभवतः एक फरवरी को अपना लगातार नौवां बजट पेश करेंगी। वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में मांग बढ़ाने, रोजगार सृजन और अर्थव्यवस्था को आठ प्रतिशत से अधिक की निरंतर वृद्धि दर पर लाने के मुद्दों पर ध्यान दिए जाने की संभावना है। सरकार का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था 6.3-6.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी।

सेंसेक्स 278 अंक टूटा, निफ्टी 26,000 अंक के नीचे आया

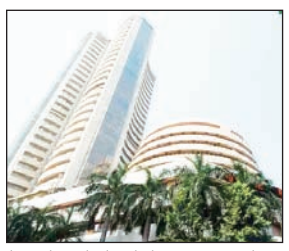

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में पिछले छह दिन से जारी तेजी पर मंगलवार को विराम लगा और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच आईटी, धातु और पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मुनाफावसूली से बीएसई सेंसेक्स करीब 278 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी गिरावट के साथ 26,000 अंक के नीचे बंद हुआ। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 277.93 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84,673.02 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान, यह 392.59 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 103.40 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 25,910.05 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, इटर्नल, अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में भारती एयरटेल, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स और टाइटन शामिल हैं। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के बीच हाल की तेजी के बाद निवेशकों की मुनाफावसूली से घरेलू शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई।

दिसंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के प्रमुख ब्याज दर घटाये जाने की संभावना कम होने से धारणा पर असर पड़ा है। डॉलर में मजबूती के बीच आईटी, धातु और रियल्टी शेयरों में गिरावट आई है।'' छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.85 प्रतिशत टूटा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 0.70 प्रतिशत के नुकसान में रहा। बीएसई में सूचीबद्ध 2,740 शेयरों में गिरावट आई जबकि 1,463 शेयर लाभ में रहे। वहीं 138 के भाव अपरिवर्तित रहे। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी बाजार सोमवार को नुकसान में बंद हुए थे।

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा, ''प्रौद्योगिकी क्षेत्र में बढ़े हुए मूल्यांकन को लेकर चिंताओं के कारण वैश्विक शेयर बाजारों में भारी बिकवाली से घरेलू बाजार में भी व्यापक मुनाफावसूली हुई। हालांकि, भारतीय बाजार अपने नुकसान को सीमित रखने में कामयाब रहे। जापान के निक्की सूचकांक और दक्षिण कोरिया के कॉस्पी में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।''

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अच्छी खबर तभी मिलेगी जब यह उचित और संतुलित होगा : गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर आप तभी अच्छी खबर सुनेंगे जब यह समझौता उचित, समानता वाला और संतुलित होगा। गोयल ने कहा कि भारत समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों को ध्यान में रखेगा। उन्होंने इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित भारत-अमेरिका आर्थिक शिखर सम्मेलन में कहा कि व्यापार समझौते के लिए बातचीत एक प्रक्रिया है और एक राष्ट्र के रूप में भारत को किसानों, मछुआरों और लघु उद्योगों के हितों को देखना होगा। गोयल ने कहा, ''जब समझौता उचित, समानता वाला और संतुलित हो जाएगा, तो आपको अच्छी खबर सुनने को मिल जाएगी। भारत और अमेरिका मार्च से प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक छह दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है।

श्रीलंका को आर्थिक स्थिरता बढ़ाने के लिए एडीबी से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सहायता मिली

कोलंबो। श्रीलंका ने आर्थिक स्थिरता को समर्थन देने के वास्ते एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से 30 करोड़ अमेरिकी डॉलर की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के समझौते करने की मंगलवार को जानकारी दी।

श्रीलंका के वित्त मंत्रालय ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता एवं सुधार, व्यापक आर्थिक मजबूती व पारदर्शिता को मजबूत करने तथा पर्यटन क्षेत्र के सतत विकास कार्यक्रम के लिए 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की तीन किस्तों में धनराशि वितरित की जाएगी। मंत्रालय ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र स्थिरता एवं सुधार कार्यक्रम का मकसद श्रीलंका के केंद्रीय बैंक की नियामक क्षमता को मजबूत करना है जबकि व्यापक आर्थिक मजबूती कार्यक्रम आर्थिक एवं सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन सुधारों का समर्थन करेगा। सतत पर्यटन विकास पहल में नीति-आधारित ऋण और निवेश ऋण दोनों शामिल होंगे। इस धनराशि का एक हिस्सा त्रिंकोमाली के पूर्वी बंदरगाह जिले व मध्य प्रांत में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल 'सिगिरिया' के आसपास पर्यटन क्षमता के विकास तथा विस्तार के लिए आवंटित किया जाएगा।

श्रीलंका 2022 में आए गंभीर वित्तीय संकट के बाद अपनी अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए काम कर रहा है। देश, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) समर्थित कार्यक्रम के तहत सुधारों को लागू कर रहा है। साथ ही व्यापक आर्थिक स्थिरता बहाल करने एवं विकास को पुनर्जीवित करने के लिए मनीला स्थित एडीबी और विश्व बैंक जैसी बहुपक्षीय एजेंसियों से समर्थन मांग रहा है।

एआई की हर बात पर आंख मूंदकर भरोसा न करें, गूगल के प्रमुख सुंदर पिचाई की सलाह

लंदन। गूगल के प्रमुख सुंदर पिचाई ने कृत्रिम मेधा (एआई) के इस्तेमाल से मिली हर जानकारी पर आंख मूंदकर भरोसा करने को लेकर लोगों को आगाह किया है। साथ ही पिचाई ने कंपनियों को भी चेतावनी दी कि एआई निवेश का बुलबुला फटने पर कोई भी इससे अछूता नहीं रहेगा। एक साक्षात्कार में गूगल की मूल कंपनी अल्फाबेट के भारतीय-अमेरिकी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पिचाई ने बताया कि एआई मॉडल त्रुटियों से ग्रस्त हैं और उपयोगकर्ताओं को इनके परिणामों की तुलना अन्य स्रोतों से करनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप रचनात्मक काम करना चाहते हैं, तो एआई उपकरण मददगार हो सकते हैं, लेकिन लोगों को इन उपकरणों का सही तरीके से उपयोग करना सीखना होगा और हर बात पर आंख मूंदकर भरोसा नहीं करना चाहिए। इस साल मई में गूगल ने अपने जेमिनी चैटबॉट के जरिये सर्च में 'एआई मोड' पेश किया, जिसका उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को किसी विशेषज्ञ से बात करने जैसा अनुभव देना था।

पिचाई ने कहा कि हम इस बात पर गर्व करते हैं कि हम यथासंभव सटीक जानकारी देने की कोशिश करते हैं, लेकिन वर्तमान अत्याधुनिक एआई प्रौद्योगिकी में कुछ खामियां हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि एआई निवेश में तेजी एक असाधारण क्षण थी, लेकिन वर्तमान एआई उछाल में कुछ कम तार्किकता दिखती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या गूगल इस बुलबुले के फटने से अछूता रहेगा, तो पिचाई ने कहा कि कोई भी कंपनी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहेगी, इसमें गूगल भी शामिल है।

गूगल के प्रमुख सुंदर पिचाई ने कहा कि हम अभी इंटरनेट की ओर पीछे देख सकते हैं। उस समय स्पष्ट रूप से बहुत अधिक निवेश हुआ था, लेकिन किसी ने भी यह सवाल नहीं किया कि इंटरनेट महत्वपूर्ण था या नहीं। मैं उम्मीद करता हूं कि एआई भी ऐसा ही होगा। इसलिए मुझे लगता है कि यह तर्कसंगत है, लेकिन इस तरह के समय में कुछ तर्कहीनता के तत्व भी होते हैं। पिचाई ने कहा कि गूगल का अपना अनूठा मॉडल है, जिसमें उसने चिप से लेकर यूट्यूब डेटा, मॉडल और अग्रणी विज्ञान तक, अपनी स्वयं की पूर्ण प्रौद्योगिकी का स्वामित्व किया है, जिसका अर्थ है कि वह एआई बाजार में किसी भी उथल-पुथल से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है।

रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ 88.61 प्रति डॉलर पर

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में कमजोरी के रुख के अनुरूप, अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को सीमित दायरे में कारोबार के दौरान रुपया, अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले दो पैसे की गिरावट के साथ 88.61 (अस्थायी) पर बंद हुआ। कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी प्रवाह में वृद्धि, कमजोर डॉलर और कच्चे तेल की कम कीमतों ने रुपये की गिरावट को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया 88.67 पर खुला और डॉलर के मुकाबले 88.69 और 88.58 के सीमित दायरे में रहा। अंत में रुपया अपने पिछले बंद स्तर से दो पैसे की गिरावट के साथ 88.61 (अस्थायी) पर बंद हुआ। निवेशक बढ़ते आयात खर्च और देश के बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर चिंतित थे। व्यापारी प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की प्रगति के साथ-साथ इस सप्ताह के अंत में जारी होने वाले घरेलू पीएमआई आंकड़ों पर भी कड़ी नजर रख रहे थे। सोमवार को रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे बढ़कर 88.59 पर बंद हुआ।

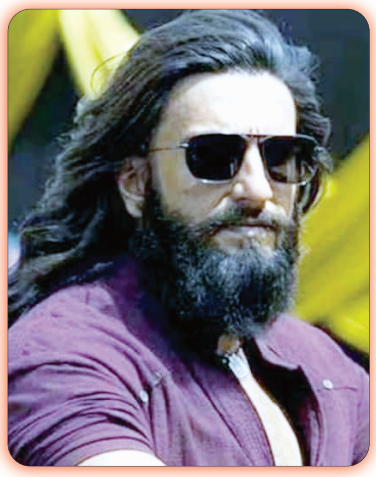

रणवीर सिंह की 'धुरंधर' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

रणवीर सिंह की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'धुरंधर' का धमाकेदार ट्रेलर आखिरकार जारी कर दिया गया है। ट्रेलर रिलीज होते ही इसने सोशल मीडिया पर तूफान खड़ा कर दिया है। टीज़र और पोस्टर्स के बाद से ही फिल्म को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ था, और अब ट्रेलर ने दर्शकों की उम्मीदों को और बढ़ा दिया है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह स्पाई-थ्रिलर एक्शन ड्रामा पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद और सीमा पार खुफिया अभियानों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में रणवीर सिंह के साथ संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना, आर. माधवन और सारा अर्जुन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 4 मिनट 7 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरुआत अर्जुन रामपाल के तीखे और डरावने सीन से होती है, जो फिल्म के टोन को तुरंत स्थापित कर देता है। इसके बाद रणवीर सिंह का बेहद इंटेंस और खतरनाक अवतार देखने को मिलता है। ट्रेलर में दिखाए गए कई दृश्य ऐसे हैं जो रोंगटे खड़े कर देते हैं और संकेत देते हैं कि फिल्म एक हाई-ऑक्टेन, एज-ऑफ-द-सीट अनुभव देने वाली है। निर्माताओं के अनुसार, 'धुरंधर' 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। रिलीज से पहले ही चर्चा है कि फिल्म की सफलता को देखते हुए मेकर्स ने 'धुरंधर 2' की योजना भी शुरू कर दी है। कुल मिलाकर, ट्रेलर ने फैंस में उत्साह का लेवल और ज्यादा बढ़ा दिया है, और अब सभी की निगाहें फिल्म की रिलीज पर टिकी हैं।

बॉक्स ऑफिस पर चमकी 'दे दे प्यार दे-2'

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह की रोमांटिक कॉमेडी 'दे दे प्यार दे-2' सिनेमाघरों में रिलीज होते ही शानदार शुरुआत कर चुकी है। वीकेंड पर फिल्म ने बेहतरीन कमाई दर्ज की और 2019 में आई पहली किस्त की तरह ही दर्शकों ने इस सीक्वल को भी खूब सराहा है। अब चौथे दिन की कमाई की ताजा रिपोर्ट सामने आ गई है। दूसरी तरफ दुलकर सलमान की फिल्म 'कांथा' के नए बॉक्स ऑफिस आंकड़े भी जारी हो चुके हैं। सैकनिल्क के रिपोर्ट अनुसार, 'दे दे प्यार दे-2' ने अपने पहले सोमवार यानी रिलीज के चौथे दिन 4.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इससे पहले फिल्म ने तीसरे दिन 13.75 करोड़ और दूसरे दिन 12.25 करोड़ रुपये कमाए थे। वीकेंड के मुकाबले सोमवार को गिरावट जरूर देखने को मिली है, लेकिन इसके बावजूद अजय देवगन की यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मजबूत पकड़ बनाए हुए है। कुल मिलाकर फिल्म का कुल कलेक्शन अब 39 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। 'दे दे प्यार दे-2' के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर सलमान, समुथिरकानी और भाग्यश्री बोरसे की फिल्म 'कांथा' भी रिलीज हुई थी। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने अपने चौथे दिन 1.65 करोड़ रुपये की कमाई की है। इससे पहले यह पहले दिन 4.35 करोड़, दूसरे दिन 5 करोड़ और तीसरे दिन 4.5 करोड़ रुपये का बिजनेस कर चुकी है। चार दिनों के बाद 'कांथा' का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन बढ़कर 15.50 करोड़ रुपये हो गया है।

'कांथा' की कमाई हुई कमजोर

अनुष्का सेन अपने पहले एल्बम 'कैमेलियन' के साथ पॉप कलाकार बनीं

लॉस एंजिल्स। भारतीय डिजिटल स्टार एवं अभिनेत्री अनुष्का सेन अपने पहले एकल, कैमेलियन के रिलीज़ के साथ अपनी रचनात्मकता का विस्तार कर रही हैं, जो संगीत में उनका पहला कदम है। 'वैराइटी' की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। अनुष्का इस पॉप ट्रैक के माध्यम से गायन के क्षेत्र में कदम रख रही है। इसका निर्माण केन लुईस ने किया है, जो दो बार ग्रैमी पुरस्कार विजेता और आठ बार नामांकित हो चुके हैं और टेलर स्विफ्ट, केंड्रिक लैमर और कान्ये वेस्ट के साथ अपने काम के लिए जाने जाते हैं। अपने शानदार करियर के दौरान, लुईस 79 बिलबोर्ड नंबर 1 हिट गानों का हिस्सा रहे हैं, जिससे इस प्रोजेक्ट को उद्योग जगत में महत्वपूर्ण स्थान मिला है। विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर लगभग चार करोड़ ऑनलाइन फॉलोअर्स वाली अनुष्का ने डिजिटल क्रिएटर बनने से पहले भारतीय टेलीविजन पर एक बाल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू किया था। वर्ष 2024 में उन्होंने प्राइम वीडियो के आने वाले युग के नाटक ₹दिल दोस्ती डिलेमा₹ में अपनी स्ट्रीमिंग शुरुआत की, और अपने प्रदर्शन के लिए प्रशंसा अर्जित की। ₹कैमेलियन₹ सेन की हालिया अमेरिका यात्रा के दौरान रिकॉर्ड किया गया था, जहाँ लुईस ने इस गीत को एक गतिशील पॉप एंथम में ढालने में मदद की जो उनके कलात्मक विकास को दर्शाता है। यह ट्रैक परिवर्तन, पहचान और आत्मनिर्णय के विषयों पर आधारित है, जो सेन के संगीत से लंबे समय से जुड़े जुड़ाव पर आधारित है, जिसका उन्होंने अपनी माँ के मार्गदर्शन में छोटी उम्र से ही अध्ययन किया था। अनुष्का ने कहा, ₹संगीत हमेशा से मेरे जीवन का एक हिस्सा रहा है, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझमें वास्तव में अपना कुछ बनाने और इसे दुनिया के साथ साझा करने का साहस होगा।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹मैं हमेशा से ही चीजों को अलग तरह से करना पसंद करती रही हूँ।

अरबाज खान का खुलासा- 'दबंग-4' की फ्रैंचाइजी अभी खत्म नहीं हुई

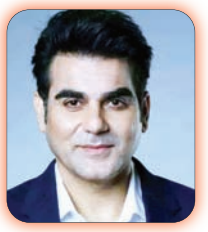

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जो अगले साल रिलीज होने वाली है। इसी बीच उनकी लोकप्रिय 'दबंग' फ्रैंचाइजी को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है, जिसने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। फिल्ममेकर अरबाज खान ने आधिकारिक रूप से पुष्टि कर दी है कि 'दबंग 4' पर काम जारी है और फ्रैंचाइजी अभी खत्म नहीं हुई है। ए इंटरव्यू में अरबाज ने कहा, ₹यह पाइपलाइन में है, लेकिन मुझे इसकी टाइमलाइन नहीं पता।₹ उन्होंने बताया कि अगली किस्त को लेकर दर्शकों के सवाल लगातार आते रहते हैं, जिसके जवाब में यही कहना उचित है कि फिल्म पर काम हो रहा है और टीम बिना किसी जल्दबाजी के आगे बढ़ रही है। अरबाज खान ने आगे कहा, ₹'दबंग 4' जरूर बनेगी। सही समय पर बनेगी। सलमान और हम इस पर चर्चा कर रहे हैं। कब बनेगी यह कहना मुश्किल है, लेकिन जब भी आएगी, यह ऐसी फिल्म होगी जिसका फैंस बेसब्री से इंतजार करेंगे।₹ गौरतलब है कि सलमान खान की 'दबंग' की तीन किस्तें अब तक रिलीज हो चुकी हैं, पहली 2010 में, दूसरी 2012 में और तीसरी 2019 में और तीनों फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार सफलता पाई थी। अब अरबाज की पुष्टि के बाद यह साफ है कि चुलबुल पांडे एक बार फिर धमाल मचाने की तैयारी में हैं।

विदेश

संक्षिप्त खबरें

नेपाल में हिन्दू राष्ट्र की मांग करने वाले राजतंत्र समर्थक दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार किया गया

काठमांडू। नेपाल में हिन्दू राष्ट्र की मांग आदि मसलों पर 23 नवंबर से देशव्यापी बंद और प्रदर्शन का आह्वान करने वाले राजतंत्र समर्थक दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें सोमवार देररात करीब सवा बजे काठमांडू पुलिस भक्तपुर स्थित उनके निवास स्थान से गिरफ्तार कर जिला प्रहरी कार्यालय भद्रकाली ले गई। काठमांडू जिला पुलिस प्रमुख रमेश थापा के अनुसार, प्रसाई पर सार्वजनिक शान्ति एवं सुरक्षा भंग करने की कोशिश का आरोप है। प्रसाई ने सोमवार को पत्रकार सम्मेलन में पूर्व से लेकर पश्चिम तक देश को ठप कर देने की चेतावनी दी थी। अंतरिम सरकार का कहना है कि प्रसाई को गिरफ्तार करने का उद्देश्य उनके प्रस्तावित आंदोलन से संभावित हिंसा एवं अस्थिरता को रोकना है। प्रसाई और उनके समर्थकों ने 23 नवंबर को "वृहद् नागरिक मुक्ति आन्दोलन" के बैनर तले काठमांडू से आंदोलन शुरू करने की घोषणा की थी। प्रसाई ने दावा किया था कि काठमांडू में 15 लाख से अधिक लोग जुटेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फुटबॉल विश्वकप दर्शकों के लिए 'फीफा पास' शुरू किया

वॉशिंगटन। अमेरिक में ट्रंप प्रशासन ने अगले वर्ष होने जा रहे फुटबॉल विश्वकप में आने वाले विदेशी यात्रियों के लिए एक नई पहल की घोषणा की है, जिसके तहत वे वीजा साक्षात्कार के लिए जल्द समय प्राप्त कर सकेंगे। "फीफा पास" नामक इस व्यवस्था के तहत फीफा के माध्यम से विश्वकप के टिकट खरीदने वाले यात्रियों को 'वीजा अपॉइंटमेंट' में प्राथमिकता दी जाएगी। प्रशासन का यह कदम ट्रंप की सख्त प्रवासन नीति और विश्वकप के लिए बड़ी संख्या में आने वाले यात्रियों के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास है। 'पास' का अर्थ "प्राथमिकता प्राप्त अपॉइंटमेंट शेड्यूलिंग सिस्टम" है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, "यदि आपके पास विश्वकप का टिकट है, तो आपको वीजा के लिए 'प्राथमिकता से अपॉइंटमेंट' मिलेगा।" उन्होंने ट्रंप की ओर मुड़कर कहा, "हमारी पहली मुलाकात में ही आपने कहा था—अमेरिका दुनिया का स्वागत करता है।" जियानी इन्फेंटिनो सोमवार को व्हाइट हाउस में ट्रंप के साथ मौजूद थे। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि वे विश्वकप यात्रियों को "तुरंत" वीजा आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि प्रशासन ने दुनिया भर में वीजा मांग को पूरा करने के लिए 400 से अधिक अतिरिक्त कंसुलर अधिकारियों को तैनात किया है और लगभग 80 प्रतिशत क्षेत्रों में आवेदक 60 दिन के भीतर 'वीजा अपॉइंटमेंट' प्राप्त कर सकते हैं।

यूक्रेन-फ्रांस के बीच ऐतिहासिक रक्षा सौदा

100 राफेल जेट्स सहित अनेक रक्षा प्रणालियों की खरीद पर सहमति

पेरिस। यूक्रेन अगले 10 वर्षों में फ्रांस से 100 राफेल लड़ाकू विमान, उन्नत ड्रोन्स, हवाई रक्षा प्रणालियां और अन्य सैन्य उपकरण खरीदेगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मौजूदगी में विलाकौब्ले सैन्य हवाई अड्डे पर सोमवार को इस आशय के 'समझौता पत्र' पर हस्ताक्षर किए गए। रूस के साथ चल रहे युद्ध के बीच यूक्रेन की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

यह समझौता फ्रांस की दसॉल्ट एविएशन कंपनी द्वारा निर्मित राफेल एफ चार 'स्टैंडर्ड' लड़ाकू विमानों की खरीद पर केंद्रित है, जो यूक्रेन की वायुसेना के लिए एक दीर्घकालिक निवेश साबित होगा। इस सौदे के तहत यूक्रेन, फ्रांस से 2035 तक 100 राफेल जेट्स और नई पीढ़ी की एसएएमपी/टी (सर्फेस-टू-एयर मिसाइल/पैट्रियट/टेरा) बैटरियां जैसी हवाई रक्षा प्रणालियां हासिल करेगा, जो रूसी मिसाइल हमलों का मुकाबला करने में सक्षम होंगी। फ्रांस यूक्रेन को ड्रोन्स और ड्रोन अवरोधक सिस्टम, एएएसएम हैमर (एयर-टू-सर्फेस मुनिशन) और अन्य हथियार भी प्रदान करेगा।

समझौते के मुताबिक यूक्रेन को यह रक्षा खरीदी अगले 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएगी जिसमें पायलट प्रशिक्षण और रखरखाव सहायता भी शामिल है। इस बीच जेलेंस्की ने सौदे पर टिप्पणी करते हुए कहा, "यह सौदा न केवल हमारे वर्तमान संघर्ष को मजबूत करेगा, बल्कि भविष्य में किसी भी आक्रमण से बचाव के लिए आवश्यक है। राफेल विमान यूक्रेन की आकाशीय सीमाओं को अभेद्य बनाएंगे।" वहीं, मैक्रों ने इसे "काफी बड़ा " रक्षा सौदा बताया और कहा, "हम 100 राफेल की योजना बना रहे हैं । यह यूक्रेनी सेना के लिए आवश्यक है। " दोनों नेताओं ने इस सौदे को यूरोपीय एकजुटता का प्रतीक बताया, जो लगभग 30 देशों के गठबंधन का हिस्सा है। । इसके अलावा, यूक्रेन ने स्वीडन से 150 ग्रिपेन जेट विमानों की खरीद के लिए भी आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।

वेस्ट बैंक में इजराइली उपद्रवियों ने फलस्तीनी गांव में आग लगाई

तेल अवीव। कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली उपद्रवियों ने एक फलस्तीनी गांव पर सोमवार को हमला कर घरों और वाहनों में आग लगा दी। हाल के हफ्तों में उपद्रवियों के हमलों की कड़ी के बीच हुए इस ताजा हमले की इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने निंदा की। इजराइली सेना ने बताया कि अल-जबा नामक छोटे सा गांव बेथलहम के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है और वहां से आगजनी और तोड़फोड़ की सूचना मिलने के बाद सैनिकों और पुलिस को वहां भेजा गया। यह हमला उस घटना के कुछ घंटों बाद हुआ, जब एक नजदीकी पहाड़ी पर स्थित अवैध चौकी को हटाए जाने के दौरान इजराइली सुरक्षा बलों और उसे बचाने में जुटे उपद्रवियों के बीच झड़प हुई थी। यह जानकारी वेस्ट बैंक में नागरिक मामलों को देखने वाले, इजराइली सेना के निकाय 'सीओजीएटी' ने दी। इजराइली पुलिस ने बताया कि अवैध चौकी को ध्वस्त करने के दौरान छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान सैकड़ों उपद्रवी जमा हो गए थे, जिन्होंने पथराव किया, लोहे की छड़ें फेंकीं और टायर जलाए। सोमवार रात अल-जबा में हुआ हमला वेस्ट बैंक के गांवों में बढ़ती हिंसा का नवीनतम मामला है। इस पतझड़ में फलस्तीनी किसान जैतून की वार्षिक फसल काट रहे हैं, जिसके दौरान उपद्रवी हमलों में वृद्धि देखी गई है। कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इजराइली सेना द्वारा अभियान तेज करने के बाद से उपद्रवियों और फलस्तीनी चरमपंथियों दोनों की हिंसा में बढ़ोतरी हुई है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इन उपद्रवियों को "कुछ चरमपंथी" करार देते हुए कानून प्रवर्तन एजेंसियों से कहा कि वे "खुद कानून हाथ में लेने की कोशिश" करने वालों पर कार्रवाई करें। उन्होंने कहा, "मैं स्वयं इस मामले को देखूंगा और संबंधित मंत्रियों की बैठक जल्द से जल्द बुलाकर इस गंभीर प्रवृत्ति पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित करूंगा।

पाक सुरक्षाबलों ने टीटीपी से जुड़े 15 आतंकवादियों को मार गिराया

पेशावर। उत्तर पश्चिम पाकिस्तान में सुरक्षाबलों ने दो खुफिया आधारित अभियानों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े 15 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा ने मंगलवार को बताया कि ये अभियान 15 और 16 नवंबर को खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान और उत्तरी वजीरिस्तान जिलों में चलाए गए। सेना ने बताया कि डेरा इस्माइल खान के कुलाची इलाके में छापेमारी में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के 10 आतंकवादी मारे गए, जिनमें 'मुख्य सरगना' आलम महसूद भी शामिल है जबकि उत्तरी वजीरिस्तान के दत्ता खेल में पांच आतंकवादी मारे गए। उसने बताया कि महसूद एक वांछित आतंकवादी था। अधिकारियों ने किसी देश का नाम लिए बिना बताया कि मारे गए सभी आतंकवादी विदेशी प्रायोजित नेटवर्क से जुड़े थे और कई हमलों में शामिल थे। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय आम सहमति को कमजोर करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ ने भी सफल अभियानों के लिए सुरक्षा बलों की सराहना की और कहा कि राष्ट्र आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अमेरिका की गाजा शांति योजना को मंजूरी दी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने अमेरिकी प्रस्ताव पारित कर दिया। इसका उद्देश्य गाजा में नाजुक युद्धविराम से आगे बढ़कर अधिक स्थायी शांति और तबाह हुए क्षेत्र के पुनर्निर्माण की ओर बढ़ना है। 15 सदस्यीय परिषद ने प्रस्ताव के पक्ष में 13-0 से मतदान किया। रूस और चीन ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। दोनों ने इस प्रस्ताव को रोकने के लिए अपने वीटो का इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया।

सीएनएन चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रस्ताव का उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 20-सूत्रीय गाजा योजना को अंतरराष्ट्रीय वैधता प्रदान करना था। इस योजना के कुछ हिस्से पिछले महीने गाजा पट्टी में लागू युद्धविराम का आधार बने। अमेरिका ने इसे पारित कराने के लिए कड़ी पैरवी की। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लिखा, कुछ ही क्षण पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अविश्वसनीय मतदान पर विश्व को बधाई। शांति बोर्ड की अध्यक्षता मैं करूंगा और विश्व के सबसे शक्तिशाली और सम्मानित नेता इसमें शामिल होंगे। पारित प्रस्ताव के अनुसार, अब शांति बोर्ड की स्थापना और गाजा में अस्थायी अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल (आईएसएफ) का गठन किया जाएगा। ट्रंप ने कहा कि बोर्ड के सदस्यों की घोषणा जल्द की जाएगी। कई राजनयिक सूत्रों ने कहा कि इस प्रस्ताव को संयुक्त राष्ट्र का समर्थन हासिल है। इसलिए अन्य राष्ट्रों को आईएसएफ में शामिल होने में कोई बाधा नहीं आएगी। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइकल वाल्ट्ज ने कहा कि आईएसएफ शांति सैनिकों का मजबूत गठबंधन होगा। इसमें इंडोनेशिया, अजरबैजान और अन्य मुस्लिम बहुल देशों के सैनिक शामिल होंगे। गाजा में एक एकीकृत कमान के तहत इनकी तैनाती होगी। गाजा की सड़कों को सुरक्षित किया जाएगा। शांति सैनिक विसैन्यीकरण की निगरानी करते हुए नागरिकों की रक्षा करेंगे। सुरक्षित गलियारों के माध्यम से सहायता पहुंचाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि मतदान से पहले वाल्ट्ज ने चेतावनी दी थी कि इस प्रस्ताव के विरुद्ध मतदान का मतलब युद्ध की ओर लौटना होगा। पश्चिमी राजनयिक सूत्रों ने बताया है कि प्रस्ताव में विस्तृत जानकारी का अभाव इसे लागू करने में मुश्किल पैदा करेगा। संक्रमणकालीन प्राधिकारी फिलिस्तीनी प्राधिकरण को सौंपे जाने की स्पष्ट समय-सीमा न होने के कारण इसकी कड़ी आलोचना कर रहे हैं। पारित प्रस्ताव में शांति बोर्ड को 2027 के अंत तक के लिए किया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि शांति बोर्ड हमास और अन्य गुटों के निशस्त्रीकरण और गाजा के पुनर्निर्माण की देखरेख करेगा। सनद रहे यह मांग इजराइल लंबे समय से करता रहा है। इस प्रस्ताव में फिलिस्तीनी राज्य का भी उल्लेख है, लेकिन इसके लिए कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है। मसौदे में कहा गया है, ₹ सुधार कार्यक्रम के ईमानदारी से लागू होने और गाजा पुनर्विकास के आगे बढ़ने के बाद फिलिस्तीनी आत्मनिर्णय और राज्य के दर्जे के लिए एक विश्वसनीय मार्ग के लिए परिस्थितियां अंततः तैयार हो सकती हैं।